घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 90- शुक्रवार 30- जनवरी 2026,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 4 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

भारत की वैश्विक भूमिका मजबूत संसद की जिम्मेदारी अहम : राधाकृष्णन

नई दिल्ली,29 जनवरी 2026। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधा कृष्णन ने कहा है कि भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ती भूमिका और प्रभाव के बीच संसद सदस्यों की जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे संसद और उसकी समितियों में रचनात्मक,सार्थक और प्रभावी योगदान दें। संसद के बजट सत्र में गुरुवार को राज्यसभा के 270वें सत्र के शुभारंभ पर अपने संबोधन में सभापति ने कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। ऐसे में संसद सदस्यों की भूमिका देश की आर्थिक दिशा तय करने में निर्णायक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के दोनों सदनों के संयुक्त संबोधन ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की स्पष्ट रूपरेखा तय कर दी है और उसी के अनुरूप यह सदन अपने विधायी और विमर्शात्मक दायित्वों का निर्वहन करेगा। सभापति ने बताया कि 30 बैठकों के दौरान सदन में केंद्रीय बजट 2026-27 और सरकार के विधायी प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही अवकाश अवधि में विभागीय स्थायी समितियां विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की अनुदान मांगों की गहन समीक्षा करेंगी। राधाकृष्णन ने कहा कि बजट प्रस्तावों के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर भी सदन में व्यापक कार्यवाही होनी है, जो जनप्रतिनिधियों की गंभीर जिम्मेदारी को दर्शाता है। उन्होंने सदस्यों से सदन के प्रत्येक निर्धारित मिनट का सदुपयोग करते हुए जनता की आकांक्षाओं को साकार करने का आह्वान किया। सभापति ने संसदीय गरिमा, अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि लोकतंत्र विविध विचारों और सशक्त बहस से फलता-फूलता है, लेकिन सम्मानजनक संवाद और रचनात्मक चर्चा ही संसदीय विमर्श का आधार होनी चाहिए।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर घुसपैठ नाकाम,हथियारों का जखीरा बरामद

चंडीगढ़,29 जनवरी 2026। बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर भारत-पाक सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठ को असफल बनाते हुए भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। घुसपैठ को रोकने के लिए बीएसएफ ने कई राउंड फायर भी किए। इसके बाद पंजाब पुलिस के साथ मिलकर सीमावर्ती क्षेत्र में गुरुवार को कई घंटे सर्च ऑपरेशन भी चलाया। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि सीमावर्ती जिला फाजिल्का में काउंटर इंटेलीजेंस तथा बीएसएफ ने मिलकर आज सुबह एक ऑपरेशन फाजिल्का के पास गांव तेजा राहेला में चलाया। इससे पहले बीती रात पाकिस्तान की तरफ से बीओपी जीजी-3 के रास्ते से घुसपैठ का प्रयास किया गया। बीएसएफ के जवानों ने फायरिंग की, तो घुसैठिए वहां से फरार हो गए। इसके बाद चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान भारी मात्रा में हथियार व गोली सिक्का बरामद किया गया। डीजीपी ने बताया कि इस संयुक्त ऑपरेशन के दौरान एक गफ्फार सिक्योरिटी पिस्टल, 20 पिस्टल, 39 मैगज़ीन, 310 ज़िंदा कारतूस,02 बैकपैक और 2.160 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। शुरुआती जांच से पता चला है कि पाकिस्तान के तस्करों ने ज़ीरो लाइन पार की और सीमा बाड़ के पास सक्रिय हुए। घुसपैठिए रात के अंधेरे और घने कोहरे का फायदा उठाकर भारतीय इलाके में हथियार और नशीले पदार्थ भेजने की कोशिश कर रहे थे। सतर्क बीएसएफ जवानों ने घुसपैठ को रोकने के लिए कई राउंड फायरिंग की, जिसके बाद एक गहन संयुक्त तलाशी अभियान में यह बरामदगी हुई है।

दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद समयबद्ध जांच होगी : नागरिक उड्डयन मंत्रालय

नई दिल्ली,29 जनवरी 2026। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार का कहना है कि बारामती विमान दुर्घटना में ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। जांच जारी है और इसे तय समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि हादसे के बाद सभी आवश्यक प्रतिक्रिया और जांच तंत्रों को तुरंत सक्रिय कर दिया गया है। एक संपूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करना मंत्रालय की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को पुणे जिले के बारामती हवाई अड्डे के पास एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार और विमान में सवार चार अन्य की मौत हो गई थी। मंत्रालय ने बताया कि नई दिल्ली स्थित विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के तीन अधिकारियों की एक टीम और मुंबई स्थित नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के तीन अधिकारियों की एक अन्य टीम आज दुर्घटनास्थल पर पहुंची। एएआईबी के महानिदेशक जी.वी.जी. युगंधर भी कल ही घटनास्थल पर पहुंच गए थे। दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है और जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। बयान में कहा गया है कि मंत्रालय निर्धारित समय-सीमा के भीतर स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार जांच पूरी करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इकोनॉमिक सर्वे लोकसभा में पेश किया

सरकार की पहचान रिफॉर्म,परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म,यूरोपियन बाजार खुलने से मैन्युफैक्चरर के लिए अवसर खुले : पीएम मोदी

नई दिल्ली,29 जनवरी 2026। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरूवार को देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' यानी इकोनॉमिक सर्वे लोकसभा में पेश किया। इस सर्वे में बताया गया है वित्त वर्ष 2026-2027 में जीडीपी ग्रोथ 6.8% से 7.2% की रेंज में रहने का अनुमान है। इसके अलावा महंगाई, खेती-किसानी की क्या हालत है और क्या आने वाले समय में नई नौकरियां बढ़ेंगी इसकी भी जानकारी सर्वे में दी गई है। पीएम मोदी ने गुरुवार को कहा, 'हमारी सरकार की पहचान रही है, रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म। अब हम रिफॉर्म एक्सप्रेस पर चल पड़े हैं। उन्होंने कहा, 'यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण है। 21वीं सदी का एक चौथाई हिस्सा बीत चुका है। यह दूसरे चौथाई की शुरुआत है। 2047 विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ये 25 साल बहुत अहम हैं।' लोकसभा में 9 विधेयक लंबित हैं, जिनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, प्रतिभूति बाजार संहिता 2025 और संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 शामिल हैं। इन विधेयकों की वर्तमान में संसदीय स्थायी या प्रवर समितियां जांच कर रही हैं।

पीएम ने कहा...सरकार की पहचान रिफॉर्म,परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म

पीएम मोदी ने कहा,'देश का ध्यान बजट की तरफ होना स्वाभाविक है, लेकिन सरकार कि पहचान रही है कि रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफोर्म। सांसदों को धन्यवाद देता हूं कि वो इस तरफ लगातार काम कर रहे हैं। हमारे हर निर्णय में देश की प्रगति लक्ष्य है। हमारे सारे फैसले ह्यूमन सेंट्रिक हैं। हमारे योजनाएं ह्यूमन सेंट्रिक हैं। हम टेक्नोलॉजी को आत्मसात भी करेंगे, लेकिन साथ-साथ हम मानव केंद्रित व्यवस्था को कम नहीं आंकेंगे। भारत की डेमोक्रेसी और डेमोग्राफिक से आज दुनिया की बहुत बड़ी उम्मीद है। विश्व इसका जरूर स्वागत करता है और स्वीकार भी करता है। देश आज आगे बढ़ रहा है। देश आज व्यवधान का नहीं,समाधान की तरफ बढ़ रहा है। म

पीएम ने कहा...अच्छी क्वालिटी का सामान लेकर बाजार में जाएं

पीएम ने कहा,'मेरे देश के मैन्यूफैक्चरर के लिए यूरोपियन यूनियन का बहुत बड़ा बाजार खुल गया है। अब सस्ते में हमारा माल वहां पहुंचेगा। यह अवसर है। इसका पहला मंत्र होता है कि हम क्वालिटी पर बल दें। अच्छी से अच्छी क्वालिटी लेकर बाजार में जाएं। उन्होंने कहा कि इससे यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के खरीदारों का दिल जीत लेंगे। इसका प्रभाव दशकों तक रहेगा। कंपनियों का ब्रांड देश के ब्रांड के साथ नए गौरव को प्रस्तावित करता है।' पीएम मोदी ने कहा, 'वित्त मंत्री निर्मला जी देश की पहली महिला वित्त मंत्री हैं जो लगातार 9वीं बार देश के संसद में बजट पेश करेंगी। बजट सत्र का प्रारंभ बहुत ही पॉजिटिव नोट पर शुरू हुआ है।

पिछले एक साल में ग्रामीण इलाकों में महंगाई शहरी क्षेत्रों से कम रही : आर्थिक सर्वेक्षण

देश में पिछले एक साल के दौरान ग्रामीण इलाकों में महंगाई शहरी इलाकों की तुलना में कम रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक दवाब में कमी आई है। पिछले दो वर्षों 2023 और 2024 में ग्रामीण महंगाई शहरी महंगाई से ज्यादा थी, लेकिन 2025 में खाने-पीने की चीजों की कीमतें घटने से इसमें कमी आ गई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह जानकारी संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में दी। सर्वेक्षण में बताया गया है कि ज्यादातर राज्यों में खुदरा महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक के 2-6 प्रतिशत के सहनशीलता दायरे (टॉलरेंस बैंड) के अंदर रही। इस दौरान केवल केरल और लक्षद्वीप में खुदरा महंगाई 6 प्रतिशत से ऊपर गई। दिल्ली और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में महंगाई राष्ट्रीय औसत से कम रही, जबकि दक्षिण और पूर्वोत्तर के राज्यों में औसत से ज्यादा दर्ज की गई। सर्वेक्षण में राज्य-वार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक(सीपीआई) महंगाई डेटा का भी विश्लेषण किया गया है। जनवरी 2014 से दिसंबर 2025 तक के मासिक आंकड़ों के आधार पर यह पाया गया कि राज्यों में महंगाई का अंतर पूरी तरह अस्थायी नहीं था। कई बार राष्ट्रीय औसत से अलग स्थिति एक महीने से ज्यादा समय तक बनी रही।

कांग्रेस सांसद का आरोप...मनरेगा का गला घोंटा जा रहा

मनरेगा के मुद्दे पर कांग्रेस सांसद जेबी माथर ने कहा,'जब यूपीए ने मनरेगा की शुरुआत की थी, तब यह काम का अधिकार देने वाली योजना थी और रोजगार की गारंटी देती थी। अब इसके लिए आवंटित धन में कटौती कर दी गई है और राज्यों का हिस्सा बढ़ा दिया गया है, जिससे इस योजना का गला घोंटा जा रहा है और इसे समाप्त करने की स्थिति पैदा हो गई है।'

'अजित दादा' पंचतत्व में विलीन...परिवार समेत समर्थकों ने नम आंखों से दी विदाई,अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब

बारामती,29 जनवरी 2026। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को गुरुवार को उनके गृहनगर बारामती में अंतिम विदाई दी गई। एक दुःखद विमान हादसे में उनके निधन के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर है। अजित पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस दौरान बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में भारी संख्या में समर्थक अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने पहुंचे।

'अजित दादा अमर रहें' के नारे से गूंजा बारामती

अंतिम संस्कार की रस्में दोपहर में शुरू हुईं। अजित पवार के बेटों, पार्थ और जय ने अपने पिता की चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार अपने आंसू नहीं रोक पा रही थीं। जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लिपटा हुआ उनके गांव काटेवाड़ी से विद्या प्रतिष्ठान मैदान लाया गया। मैदान में मौजूद हजारों लोगों ने 'अजित दादा अमर रहें' के नारे लगाए, जिससे पूरा माहौल गमगीन हो गया।

अंतिम संस्कार में शामिल हुए कई केंद्रीय मंत्री

इस दुखद घड़ी में देश और राज्य के कई बड़े नेता बारामती पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। अजित पवार के चाचा और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार भी वहां मौजूद थे। वे पूरे समय चुपचाप बैठे रहे और अपने भतीजे को अंतिम विदाई दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी पुणे से बारामती पहुंचे और पुष्पचक्र अर्पित किए। अजित पवार की चचेरी बहन और सांसद सुप्रिया सुले पूरे समय सुनेत्रा पवार के साथ खड़ी रहीं और उन्हें सांत्वना देती रहीं। अंतिम संस्कार में प्रफुल्ल पटेल,रामदास अठावले, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत,पूर्व मुख्यमंत्री सुशीलकुमार शिंदे और अशोक चव्हाण जैसे दिग्गज नेता भी शामिल हुए। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने भी काटेवाड़ी जाकर अजित पवार को श्रद्धांजलि दी। अभिनेता रितेश देशमुख भी इस मौके पर मौजूद थे। अजित पवार अपने अनुशासन के लिए जाने जाते थे। अंतिम संस्कार के दौरान लाउडस्पीकर से बार-बार लोगों से शांति और अनुशासन बनाए रखने की अपील की गई। प्रशासन ने कहा कि शांति बनाए रखना ही 'दादा' के लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। अजित पवार के भाई श्रीनिवास पवार, बहनें और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी उन्हें नमन किया।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति : मुख्य आर्थिक सलाहकार

नई दिल्ली,29 जनवरी 2026। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन ने गुरुवार को कहा कि हाल के वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि को और अधिक गति एवं मजबूती मिली है। आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार कोविड-पूर्व अवधि में औसतन 6.4 प्रतिशत रही वास्तविक जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2025 में 6.5 प्रतिशत तक पहुंची और वित्त वर्ष 2026 में इसके 7.4 प्रतिशत तक जाने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि यह वृद्धि मजबूत घरेलू मांग, निवेश में तेजी और अनुकूल आर्थिक वातावरण का परिणाम है। संसद में आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश होने के बाद राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में डॉ. नागेश्वरन ने जोर देकर कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत के लिए कृषि, विनिर्माण और सेवा तीन आर्थिक इंजन एक साथ सक्रिय रहना आवश्यक है। विनिर्माण और निर्यात को भविष्य की वृद्धि का आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि खंडित और तनावपूर्ण वैश्विक माहौल में यही क्षेत्र भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत करेंगे। नागेश्वरन ने कहा, 'वैश्विक अनिश्चितताओं और आर्थिक उथल-पुथल के बीच भारत मैक्रो-स्थिरता का एक 'ओएसिस' बना हुआ है।' उन्होंने कहा कि जब वैश्विक व्यापार पारस्परिक न रह जाए और बाजार तटस्थ न हों, तब 'स्वदेशी' एक वैध नीतिगत साधन बन जाता है, जिसे राष्ट्रीय हित में अपनाया जा सकता है। मुख्य आर्थिक सलाहकार के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 से 7.2 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात कर कहा...सब ठीक

नई दिल्ली,29 जनवरी 2026। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। संसद भवन स्थित खरगे के कार्यालय में हुई इस बैठक को थरूर ने बहुत सार्थक और सकारात्मक करार दिया। उन्होंने कहा कि, सब कुछ ठीक है और हम सब एकसाथ आगे बढ़ रहे हैं। बैठक करीब आधे घंटे से अधिक समय तक चली। थरूर ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो साझा करते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का धन्यवाद। आज कई मुद्दों पर गर्मजोशी और रचनात्मक चर्चा हुई। हम सब एक ही पटल पर हैं और भारत की जनता की सेवा के लिए मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। इसके बाद थरूर ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए केरल में आगामी विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद की दावेदारी से इनकार करते हुए कहा कि यह उनके लिए कभी मुद्दा नहीं रहा। उन्होंने पत्रकारों के एक सवाल पर कहा कि अपनी ही पार्टी के नेताओं से मिलने में कोई अजीब बात नहीं है। थरूर ने कहा कि उनका ध्यान तिरुवनंतपुरम की जनता की सेवा और संसद में उनके हितों की रक्षा पर है।

यूजीसी के नए नियमों पर लगी रोक...सुप्रीम कोर्ट ने कहा...नए नियम अस्पष्ट,दुरुपयोग की आशंका

नई दिल्ली,29 जनवरी 2026। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा जाति-आधारित भेदभाव की परिभाषा से जुड़े नए रेगुलेशन पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अंतरिम रोक लगा दी है। देशभर में इन नियमों के खिलाफ हो रहे विरोध और दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि नए नियम अस्पष्ट हैं और इनके दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के साथ ही कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई तक 2012 के पुराने नियम ही लागू रहेंगे। मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति ज्योमाल्या बागची की पीठ ने कहा, कि अदालत इन नियमों की समीक्षा केवल उनकी संवैधानिकता और वैधता के आधार पर करेगी। पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि देश के शैक्षणिक संस्थानों में भारत की एकता, विविधता और समावेशिता की भावना झलकनी चाहिए। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, कि नए रेगुलेशन में प्रयुक्त भाषा ऐसी है, जिससे इसके गलत इस्तेमाल की संभावना बनती है। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्षों बाद भी हम समाज को पूरी तरह जाति से मुक्त नहीं कर पाए हैं, लेकिन इसका समाधान ऐसे नियमों से नहीं होना चाहिए, जो भ्रम और विभाजन को बढ़ाएं।

न्यायमूर्ति बागची ने भी चिंता जताते हुए कहा कि अदालत एक निष्पक्ष और समावेशी सामाजिक वातावरण बनाए रखने को लेकर गंभीर है। पीठ ने सवाल उठाया कि जब पहले से '3ई' जैसी व्यवस्था मौजूद है, तो '2सी' की आवश्यकता और प्रासंगिकता क्या है। न्यायमूर्ति बागची ने आशंका जताई कि कहीं भारत उस स्थिति की ओर न बढ़ जाए, जहां अमेरिका में कभी अश्वेत और श्वेत बच्चों के लिए अलग-अलग स्कूल हुआ करते थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, न कि विभाजन को बढ़ावा देना। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दलील दी कि यूजीसी एक्ट की धारा 3(सी) को चुनौती दी गई है, जो असंवैधानिक है। उनका कहना था कि यह प्रावधान इस धारणा पर आधारित है कि सामान्य श्रेणी के छात्र भेदभाव करते हैं, जबकि यह एक सामान्यीकरण है और उचित नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे नियम शैक्षणिक संस्थानों में अनावश्यक तनाव और वर्गीकरण को बढ़ावा दे सकते हैं। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि अदालत का उद्देश्य सामान्य वर्ग की शिकायतों का पक्ष लेना नहीं है। कोर्ट की प्राथमिक चिंता यह सुनिश्चित करना है कि आरक्षित वर्गों के लिए प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र बना रहे।

संपादकीय

नए शीत युद्ध में भारत के विकल्प

इस परिदृश्य में भारत की प्रतिक्रिया कैसी होनी चाहिए? उसे कौन से रणनीतिक एवं सामरिक समायोजन करने होंगे? यदि डोनरो सिद्धांत का वास्तविक उद्देश्य एशिया में चीनी वर्चस्व पर अंकुश है तो यह भारत-अमेरिका के दीर्घकालिक हितों के अनुकूल ही है। चीन के तेवर स्पष्ट हैं कि एशियाई जंगल में केवल एक ही शेर हो सकता है। अगर इस वन में दो शेरों के लिए जगह बनानी है तो भारत को आंतरिक मोर्चे पर स्वयं को मजबूत बनाते हुए चीन के विरुद्ध चतुराई भरी बाहरी व्यूह रचना करनी होगी। यही इकलौता रास्ता है...

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जेम्स मुनरो का 'मुनरो सिद्धांत' बड़ा चर्चित रहा है। इसके मूल में उत्तर एवं दक्षिण अमेरिका में यूरोपीय शक्तियों के प्रतिरोध एवं अमेरिकी प्रभुत्व को स्थापित करना था। मुनरो सिद्धांत के नए स्वरूप में डोनाल्ड ट्रंप का 'डोनरो सिद्धांत' भी सुर्खियों में है। इसका तात्कालिक लक्ष्य तो पश्चिमी गोलार्ध बताया जा रहा है, लेकिन इसका दूरगामी लक्ष्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी हितों को साधना है। यही ट्रंप के राजनीतिक समर्थक 'मागा' का भी एजेंडा है।

डोनरो सिद्धांत एक तरह से अमेरिका और दूसरी ओर चीन-रूस के बीच शीत युद्ध के नए दौर का संकेत है। फिलहाल अमेरिकी खेमा पश्चिमी गोलार्ध में संसाधनों की पहुंच और आर्कटिक क्षेत्र में सामरिक मोर्चेबंदी को मजबूत करने की बात कह रहा है, लेकिन अंततः इसका लक्ष्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी शक्ति के दम पर चीनी प्रभुत्व को रोकना है। यह सिद्धांत नए शक्ति संतुलन पर केंद्रित दिखता है।

ट्रंप पश्चिमी दुनिया का नेता बनने से अधिक पश्चिमी गोलार्ध में वर्चस्व के इच्छुक दिखते हैं। उनका नजरिया स्पष्ट है कि पश्चिमी गोलार्ध पूरी तरह अमेरिकी नियंत्रण में हो और चीन,रूस एवं ईरान जैसे देश इसे अच्छी तरह से समझ लें। ट्रांस-अटलांटिक व्यवस्था को भी नई परिस्थितियों के अनुरूप नए सिरे से ढाला जा रहा है। ग्रीनलैंड का मुद्दा तनाव के केंद्र में बना ही हुआ है। इस पर ट्रंप किसी तरह की ढील देने को तैयार नहीं। भले ही इससे डेनमार्क जैसा विश्वसनीय सहयोगी छिटक जाए या फिर नाटो के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो जाए। वे चीन और रूस का डर दिखाकर उस पर काबिज होने को तत्पर हैं। वे अपने समृद्ध यूरोपीय सहयोगियों से भी आर्थिक एवं सामरिक मोर्चे पर अधिक अंशदान को लेकर अड़े हुए हैं।

पश्चिम एशिया में संभावित अमेरिकी प्रतिरोध की धुरी को कुंद करने के बाद ट्रंप अब्राहम समझौते के ऐसे सहयोगियों को साधने में जुटेंगे, जो अपने तेल का मोह छोड़ते हुए स्वयं को इस्लामिक कट्टरवाद से दूर रखकर एआइ, डाटा केंद्रों, नवीकरणीय ऊर्जा और रियल एस्टेट जैसे पहलुओं को लेकर उनकी मंशा के अनुरूप आगे बढ़ें। दूसरे खेमे की बात करें तो चीन-रूस का उद्देश्य चीनी आर्थिक एवं तकनीकी क्षमताओं और रूसी सैन्य क्षमताओं की जुगलबंदी से अमेरिकी शक्ति को चुनौती देना है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आर्थिक एवं तकनीकी मोर्चे पर चीन का जबरदस्त उभार हुआ है। इसने उसे निर्णायक बढ़त दिलाई है। बीते दिनों इसकी मिसाल तब देखने को भी मिली, जब ट्रंप टैरिफ के जवाब में चीन ने रेयर अर्थ के मुद्दे पर अमेरिका को झुकाते हुए उसे अपना रुख बदलने पर विवश किया।

अमेरिकी विद्वान और चीन मामलों के विशेषज्ञ रश डोशी का एक हालिया आकलन दोनों देशों के बीच बढ़ते अंतर को बखूबी रेखांकित करता है, जिसमें पलड़ा चीन के पक्ष में झुका हुआ है। इसे इससे समझा जा सकता है कि अमेरिका की तुलना में चीन की स्टील उत्पादन क्षमता 13 गुना,सीमेंट उत्पादन 20 गुना, जहाज निर्माण क्षमता 200 गुना अधिक है। चीन अमेरिका के मुकाबले तीन गुना अधिक युद्धपोत बनाने में सक्षम हो गया है। यह विशालकाय विनिर्माता देश विश्व के लगभग आधे रसायन,करीब 70 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन,तीन-चौथाई बैटरी, 80 प्रतिशत ड्रोन,90 प्रतिशत सौर पैनल और महत्वपूर्ण हो चले रेयर अर्थ तत्वों के 90 प्रतिशत तक की आपूर्ति करता है। इसके बावजूद अमेरिकी सैन्य क्षमताएं अभी भी कहीं आगे हैं। सीरिया से लेकर ईरान और हाल में वेनेजुएला जैसे उदाहरण इसके प्रमाण हैं।

जैसे-जैसे नए शीत युद्ध में प्रतिस्पर्धा आगे बढ़ेगी वैसे-वैसे संघर्ष के कई मोर्चे खुलते हुए दिखेंगे, लेकिन निर्णायक अखाड़ा हिंद-प्रशांत क्षेत्र ही बनेगा। इस संदर्भ में ट्रंप को अलग तरह का नेता समझना गलत होगा। वह तो नई चुनौतियों के लिहाज से अमेरिकी शासनकला के शस्त्रों का ही उपयोग कर रहे हैं। इसमें टैरिफ उनका पहला वार था। उनका दावा है कि ऐसे ही अन्य उपायों के जरिये उन्होंने 18 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर की राशि जुटाई है।

वेनेजुएला पर अपने रुख से न केवल उन्होंने तेल के बड़े भंडार पर अमेरिकी झंडा गाड़ दिया, बल्कि डालर के खिलाफ हो रही मोर्चेबंदी की हवा निकालने का भी प्रयास किया। भविष्य के कई पहलुओं को निर्धारित करने वाली एआइ तकनीक में अमेरिका अग्रणी बना हुआ है। इसलिए भले ही नई प्रतिस्पर्धा में मुकाबला कुछ संतुलित दिखे,लेकिन डोनरो सिद्धांत बाजी पलटकर अमेरिका को बढ़त दिला सकता है।

इस परिदृश्य में भारत की प्रतिक्रिया कैसी होनी चाहिए? उसे कौन से रणनीतिक एवं सामरिक समायोजन करने होंगे? यदि डोनरो सिद्धांत का वास्तविक उद्देश्य एशिया में चीनी वर्चस्व पर अंकुश है तो यह भारत-अमेरिका के दीर्घकालिक हितों के अनुकूल ही है। चीन के तेवर स्पष्ट हैं कि एशियाई जंगल में केवल एक ही शेर हो सकता है। अगर इस वन में दो शेरों के लिए जगह बनानी है तो भारत को आंतरिक मोर्चे पर स्वयं को मजबूत बनाते हुए चीन के विरुद्ध चतुराई भरी बाहरी व्यूह रचना करनी होगी। यही इकलौता रास्ता है।

इस क्रम में यदि हम अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में आ रही छोटी-मोटी अड़चनों को पार कर लें तो क्या तकनीकी साझेदारियों, क्षमता निर्माण, बाजार तक पहुंच और प्रतिरोधक क्षमता के निर्माण के संदर्भ में यह एक बड़ी उछाल होगी? वैश्विक भू-राजनीति की हार्ड पावर और कठोर प्रतिस्पर्धा की ओर झुकाव और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने में तकनीकी क्षमताओं के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत को एक साथ दो मोर्चों पर काम करना होगा।

क्या यूजीसी कानून देश को फिर भटका रहा है?

- **क्या सरकार देश को एकजुट करने में असफल हो चुकी है?**
- **क्या अब सत्ता का रास्ता केवल विभाजन की राजनीति से ही खोजा जा रहा है?**

देश एक बार फिर उबाल पर है,बहस तेज है,सड़कों पर विरोध है, विश्वविद्यालयों में असंतोष है और

रवि सिंह
कोरिया,छत्तीसगढ़

सोशल मीडिया से लेकर संसद तक एक ही सवाल गूंज रहा है,क्या सरकार ने यूजीसी कानून लाकर देश को एक बार फिर असल मुद्दों से भटका दिया है? भारत का इतिहास गवाह है कि जब-जब देश बेरोजगारी,महंगाई,शिक्षा, स्वास्थ्य और किसानों जैसे मूल सवालों से जूझता रहा है, तब-तब राजनीति ने किसी न किसी ऐसे विषय को सामने ला दिया, जिसने समाज को आपस में उलझा दिया, कभी धर्म बहस का केंद्र बना,कभी जाति, कभी राष्ट्रवाद और अब शिक्षा व्यवस्था,यूजीसी कानून को लेकर चल रही मौजूदा बहस केवल एक शैक्षणिक सुधार की बहस नहीं रह गई है,बल्कि यह सत्ता,संविधान और लोकतंत्र की दिशा को लेकर बड़ा सवाल बन चुकी है,यूजीसी कानून केवल शिक्षा से जुड़ा विषय नहीं है, यह उस सोच का प्रतीक है,जहाँ संवाद की जगह टकराव, और समाधान की जगह राजनीति को प्राथमिकता दी जा रही है, देश को आज जंग नहीं,समाधान चाहिए, देश को बहस नहीं, विश्वास चाहिए और सबसे ज़रूरी देश को ऐसे कानून चाहिए जो लोगों को जोड़ें, न कि बाँटें।

असल मुद्दों से ध्यान हटाने का पुराना राजनीतिक तरीका

आज देश के सामने कई गंभीर प्रश्न खड़े हैं, युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा,प्रतियोगी परीक्षाएं बार-बार विवादों में हैं,शिक्षा महंगी होती जा रही है,विश्वविद्यालय संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं,किसान अपनी उपज के दाम के लिए आंदोलनरत हैं,आम आदमी महंगाई से त्रस्त है,इन सबके बीच सरकार का ध्यान यदि इन मुद्दों के समाधान की बजाय ऐसे कानूनों पर केंद्रित हो जाए, जो देश को दो ध्रुवों में बांट दें,तो स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा होता है,राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जब सरकारें असहज स्थिति में होती हैं,तब वे भावनात्मक मुद्दों को हवा देती हैं ताकि जनता का ध्यान मूल प्रश्नों से हट जाए,यूजीसी कानून को लेकर उठता विवाद भी उसी रणनीति की ओर इशारा करता प्रतीत होता है।

शिक्षा सुधार या नियंत्रण की कोशिश?

सरकार का तर्क है कि यूजीसी कानून शिक्षा में गुणवत्ता,एकरूपता और पारदर्शिता लाएगा, लेकिन विरोध करने वालों का कहना है कि यह कानून विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता को कमजोर करता है और शिक्षा व्यवस्था को अत्यधिक केंद्रीकरण की ओर ले जाता है, भारत का संविधान शिक्षा को समवर्ती सूची में रखता है,जिसमें केंद्र और राज्यों दोनों की भूमिका तय की गई है,लेकिन नए कानून को लेकर यह आशंका प्रबल हो गई है कि राज्यों के अधिकार सीमित होंगे और विश्व विद्यालयों की स्वतंत्र निर्णय क्षमता समाप्त होती जाएगी,जब शिक्षा पर नियंत्रण बढ़ता है, तो सवाल केवल प्रशासनिक नहीं रह जाता,बल्कि वैचारिक स्वतंत्रता पर भी असर पड़ता है,यही कारण है कि शिक्षाविद्,छात्र संगठन और कई राज्य सरकारें इस कानून पर पुनर्विचार की मांग कर रही हैं।

कानून व्यवस्था पर दोहरा मापदंड क्यों?

यह प्रश्न आज देश के हर जागरूक नागरिक के मन में है यदि किसी व्यक्ति के एक बयान से कानून-व्यवस्था बिगड़ जाए,तो उस पर तुरंत कार्रवाई होती है, लेकिन जब सरकार के किसी निर्णय से पूरा देश सड़कों पर उतर आए,आंदोलन हों, रेलें रुके,शहर बंद हों तब सरकार पर कोई जवाबदेही क्यों नहीं तय होती? क्या संविधान केवल जनता के लिए है? या सरकार को हर निर्णय लेने का असीमित अधिकार प्राप्त है? इतिहास गवाह है कि कई बार सरकारों के गलत फैसलों ने देश को आंदोलनों की आग में झोंका है, लेकिन उन फैसलों की जिम्मेदारी कभी तय नहीं हुई।

संविधान पर उठते सवाल

सबसे चिंताजनक बात यह है कि लगातार ऐसे कानून लाए जा रहे हैं जिन पर संविधान की भावना से टकराने के आरोप लगते हैं, धीरे-धीरे लोगों के मन में यह प्रश्न उठने लगा है क्या संविधान सर्वोपरि है, या सत्ता की इच्छा? जब कानून जनता को जोड़ने के बजाय तोड़ने लगें, जब नीतियाँ विश्वास के बजाय अविश्वास पैदा करें, तो लोकतंत्र कमजोर होता है।

देश को बाँटने की राजनीति

आज देश फिर एक नई बहस में उलझ गया है, यूजीसी कानून की आड़ में कहीं धर्म की राजनीति शुरू हो गई, कहीं जातियों के बीच तनाव बढ़ रहा है, कहीं छात्रों को राजनीतिक मोहरा बनाया जा रहा है नतीजा यह है कि देश फिर दो हिस्सों में बँटता नजर आ रहा है,जबकि असल मुद्दे महंगाई,रोजगार,शिक्षा की गुणवत्ता और आर्थिक असमानता पीछे छूटते जा रहे हैं।

देश को जरूरत है एक और गांधी की

प्रो.शामलाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

इतिहास में अपने आप में यह एक पहला उदाहरण है कि महात्मा गांधी ने देश के सभी समुदायों तथा क्षेत्र के लोगों को इकट्ठा करके शांतमई ढंग से अंग्रेजों से देश को आजाद कराया। अन्यथा संसार के अलग-अलग देशों में खून खराबा किए बिना सत्ता परिवर्तन नहीं होता। महात्मा गांधी एक बैरिस्टर थे अगर वह चाहते तो अपना जीवन ठाठ से बिता सकते थे लेकिन उन्होंने देश हित में सब कुछ त्याग दिया,देश को आजाद कराने के लिए लोगों को में स्वतंत्रता प्राप्त करने की भावना को जागृत किया। देश आजाद कराने में कांग्रेस तथा कई और राजनीतिक दलों का योगदान भी रहा है। अनेक लोगों ने अनेक प्रकार की कुर्बानियां दीं,फांसी के फंदे को चूमा, काले पानी की सजा भुगती। महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन, स्वदेशी आंदोलन, भारत छोड़ो आदि तरीके इस्तेमाल किये। सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद सेना का गठन करके अंग्रेजों से टक्कर लेने का काम भी किया। अंततः 15 अगस्त, 1947 को भारत आजाद हुआ। महात्मा गांधी सभी धर्मों की इज्जत करते थे, उनका प्यारा भजन....ईश्वर अल्लाह तेरो नाम, सबको सम्मति दे भगवान...आज भी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए विभिन्न अवसरों पर गाया जाता है। महात्मा गांधी जात पात में विश्वास नहीं रखते थे। इसी बात को लेकर उन्होंने एक समाचार पत्र...हरिजन...भी निकाला, जिसमें उन्होंने छूत छात, हरिजनों के प्रति सहानुभूति दिखाने की बात कही। महात्मा गांधी ग्रामीण क्षेत्र का विकास करने के पक्ष में थे। बेरोजगारी को दूर करने के लिए उन्होंने खादी तथा ग्राम उद्योग को बढ़ावा देने की वकालत की। वह विदेशों पर निर्भर रहने के बदले में स्वदेशी लहर के पक्ष में थे अर्थात वह विदेशों पर निर्भर नहीं रहना चाहते थे। वह शांति के पुजारी थे। साधारण जीवन तथा उच्च विचार में विश्वास रखते थे। उनका यह मत था कि राजनीति जन सेवा का एक माध्यम है। उन्होंने अपना सारा जीवन एक लंगोटी में इसलिए बिता दिया क्योंकि उनका यह मानना था कि जब देश में अनेक गरीब लोगों के तन पर कपड़ा नहीं फिर मैं कपड़े कैसे पहन सकता हूं। महात्मा गांधी के बारे में यह बात प्रचलित है के उनके तीन बंदर थे जिन्होंने आंख, कान तथा मुंह

पर हाथ रखा हुआ था जिसका मतलब यह है कि महात्मा गांधी बुरा देखने, बुरा सुनते तथा बुरा कहने में यकीन नहीं रखते थे। दिल्ली में राजघाट में उनकी समाधि बनी हुई है। संसद भवन में भी उनकी बड़ी मूर्ति बनी हुई है जो कि उनके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान तथा विचारों का द्योतक है। विभिन्न देशों में महात्मा गांधी की प्रतिमाएँ स्थापित की गई है जो कि लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

महात्मा गांधी के बारे में इतना कुछ जानने के बाद अब हम यह देखना चाहेंगे कि आज का भारत महात्मा गांधी के सपनों का भारत है या नहीं। इसमें कोई शक नहीं कि आज हम आजाद हैं और देश का शासन चलाने के लिए हमारा अपना संविधान है। लेकिन अगर देखा जाए तो महात्मा गांधी तथा देश के अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने जो सोच कर देश के लिए कुर्बानियां दी थी आज का भारत वैसा भारत बिल्कुल नहीं है। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने देश का ऐसा हाल कर रखा है कि अगर महात्मा गांधी तथा अन्य स्वतंत्रता सेनानी आज जीवित होते तो देश की दुर्दशा देखकर उनको अपनी कुर्बानिया पर अफसोस होता। महात्मा गांधी जात-पात के खिलाफ थे लेकिन आज के हमारे विभिन्न राज नीतिक दल जात-पात की राजनीति के आधार पर लोगों को बांटकर वोट बटोरने में लगे हुए हैं। विभिन्न धर्मों में भेदभाव पैदा करके उन में दंगे फसाद करवा रहे हैं और वोटो की राजनीति कर रहे हैं। हमारे देश में राष्ट्रीय नेता कम हैं, हिंदू नेता, मुस्लिम नेता, दलित नेता,आदिवासी नेता आदि ज्यादा है। ऐसे में देश में एकता तथा अखंडता कैसे रह सकती है। हमारे देश के राजनेता राजनीति को जन सेवा का एक साधन न समझ कर सत्ता प्राप्ति का एक साधन समझने लगे हैं। देश जाए भाड़ में,उन्हें सिर्फ अपनी कुर्सी तक मतलब है। सत्ता पर कब्जा होना चाहिए। लोगों में फूट पड़ती है, पड़ने दो, हिंसा होती है,होने दो,जैसा विकास देश में होना चाहिए,नहीं होता,कोई बात नहीं। बस कुर्सी सलामत रहनी चाहिए। उसके लिए चाहे साम,दंड,भेद कोई तरीका अपना ना पड़े कोई फर्क नहीं पड़ता। नैतिकता, गरिमा, मर्यादा आदि का उल्लंघन होता है कोई बात नहीं। संविधान की अवमानना होती है,कोई बात नहीं। कुर्सी सलामत होनी चाहिए। महात्मा गांधी साधारण जीवन और उच्च विचारों में विश्वास रखते थे। आज देश में एक भी ऐसा नेता नहीं है जो महात्मा गांधी के इन विचारों के ऊपर चलता हो। महात्मा गांधी स्वदेशी आंदोलन के सहारे अंग्रेजों से देश आजाद करने में सफल हुए। लेकिन आज हमने अपनी आवश्यकताएं इतनी बढ़ा ली हैं कि देश में विकास के बावजूद भी हम विदेशों पर बहुत मामलों में निर्भर रह रहे हैं। यह ठीक है कि विदेशों से सहायता लेकर भी विकास किया जा सकता है लेकिन अगर विदेशों से लिया हुआ कर्ज जीडीपी के बराबर होने लगे तो वह तो देश की बुरी आर्थिक स्थिति का चिन्ह माना जाएगा। आज हमारे देश में बेरोजगारी, कीमतों में वृद्धि, भ्रष्टाचार, कुपोषण, महिलाओं का शोषण,कृषि की अवहेलना,बड़े-बड़े कॉर्पोरेट का फलना फूलना, आम आदमी की आमदनी का कम होना आदि बातें कभी भी महात्मा गांधी के विचारों का हिस्सा नहीं थी जबकि वह भारत को अंग्रेजों से आजाद कराने का आंदोलन चला रहे थे। यू महात्मा गांधी के नाम पर विभिन्न राज नीतिक दल लोगों को बेवकूफ बनाकर वोट तो मांगते हैं,विभिन्न राजनीतिक दल सरकार के प्रति विरोध प्रकट करने के लिए राजघाट पर जाकर धरना और प्रदर्शन भी करते हैं, परंतु उनमें से कोई भी अहिंसा,शांति, नैतिकता,संयम, साधारण जीवन, समरसता आदि में यकीन नहीं रखता। भारत में 15 अगस्त और 26 जनवरी सरकारी कार्यक्रम बनकर रह गए हैं। अधिकांश लोग उन स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में नहीं जानते जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व लुटा दिया। राजनीतिक दल सभी के हित की बात तो करते हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि अपने-अपने दल के लोगों को उच्च पदों पर आसीन करके अपनी कुर्सी भविष्य के लिए पक्की करते हैं। महात्मा गांधी ने कभी भी ऐसा नहीं चाहा था। महात्मा गांधी कृषि, लघु तथा ग्राम उद्योग का विकास करने के पक्ष में थे जबकि आज की सरकार बड़े-बड़े उद्योगों का विकास कर रही है, आर्थिक नीतियां ऐसी बनाई जा रही हैं कि और अमीर हो जाए और गरीबों की स्थिति में कोई सुधार न हो। विभिन्न धर्म के लोगों में भेदभाव इतने बढ़ गए हैं कि वो एक दूसरे को शक की नजर से देखते हैं। ऐसे में देश को एक और गांधी की आवश्यकता है जो की आजादी से पहले वाले महात्मा गांधी के सपनों को साकार कर सके। देश में लोग धर्म, जाति, क्षेत्र, भाषा आदि को भूलकर भाईचारे से एक दूसरे के साथ रहकर अपना काम धंधा करके रोटी, कपड़ा और मकान की समस्या को हल ही ना कर सके बल्कि आत्मनिर्भर भी हो।

महात्मा गांधी के बलिदान दिवस 30 जनवरी पर विशेष...

हिंसा के दौर में गांधी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

2 अक्तूबर 1869 को पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी जीवन पर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अविस्मरणीय योगदान से पूरी दुनिया सुपरिचित है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायकों में से एक महात्मा गांधी का आज 78 वां बलिदान दिवस है, जिनकी 30 जनवरी 1948 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अहिंसा की राह पर चलते हुए भारत को ब्रिटिश गुलामी से मुक्ति दिलाने वाले गांधी जी ने पूरी दुनिया को अपने विचारों से प्रभावित किया था। अपने अनुभवों के आधार पर उन्होंने कई किताबें लिखी,जो हमें आज भी जीवन की नई राह दिखाती हैं क्योंकि उनके ये अनुभव,उनके विचार आज भी उतने ही सार्थक हैं, जितने उस दौर में थे। सही मायनों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश के करोड़ों युवाओं के पथ प्रदर्शक हैं। उनके जीवन के तीन महत्वपूर्ण सूत्र थे,जिनमें पहला था सामाजिक गंदगी दूर करने के लिए झाड़ू का सहारा। दूसरा, जाति-पाति और धर्म के बंधन से ऊपर उठकर सामूहिक प्रार्थना को बल देना। तीसरा, चरखा,जो आगे चलकर आत्मनिर्भरता और एकता का प्रतीक माना गया।

गांधी जी प्रायः कहा करते थे कि प्रसन्नता ही एकमात्र ऐसा इत्र है,जिसे आप दूसरों पर डालते हैं तो उसकी कुछ बूंदें आप पर भी गिरती हैं। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं, उसके चरित्र से होती है। दूसरों की तरक्की में बाधा बनने वालों और नकारात्मक सोच वालों में सकारात्मकता का बीजा रोपण करने के उद्देश्य से ही उन्होंने कहा था कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को ही अंधा बना देगी। लोगों को समय की महत्ता और समय के सही सदुपयोग के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति समय को बचाते हैं,वे धन को भी बचाते हैं और इस प्रकार बचाया गया धन भी कमाए गए धन के समान ही महत्वपूर्ण है। वह कहते थे कि आप जो कुछ भी कार्य करते हैं, वह भले ही कम महत्वपूर्ण हो सकता है किन्तु सबसे महत्वपूर्ण यही है कि आप कुछ करें। लोगों को जीवन में हर दिन,हर पल कुछ न कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करते हुए गांधी जी कहा करते थे कि आप ऐसे जिएं, जैसे आपको कल मरना है लेकिन सीखें ऐसे कि आपको हमेशा जीवित रहना है। उनकी बातों का देशवासियों के दिलोदिमाग पर गहरा असर होता था।

महात्मा गांधी के विचारों में ऐसी शक्ति थी कि विरोधी भी उनकी तारीफ किए बगैर नहीं रह सकते थे। ऐसे कई किस्से भी सामने आते हैं, जिससे उनकी ईमानदारी, स्पष्टवादिता,सत्यनिष्ठा और शिष्टता की स्पष्ट झलक मिलती है। एक बार महात्मा गांधी सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। सरोजिनी नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देखकर गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। सरोजिनी नायडू का ध्यान जब इस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी,'आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?' इस पर बापू ने जवाब दिया, 'आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?' जिस समय द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ,उस समय देश के अधिकांश नेता इस बात के पक्षधर थे कि देश को अंग्रेजों से आजाद कराने का अब बिल्कुल सही मौका है और इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाते हुए उन्हें इस समय देश में बड़े पैमाने पर आन्दोलन छेड़ देना चाहिए।

माखनलाल चतुर्वेदी:राष्ट्रीय पत्रकारिता का तेजोमय प्रखर स्वर

प्राथमिक शिक्षा के दौरान एक कविता पढ़ने को मिली थी,जिसका प्रेरक भाव मन-मस्तिष्क में आज भी अंकित है। न केवल वह कविता आज तक कंठस्थ है बल्कि वह महनीय रचनाकार का व्यक्तित्व और जीवन

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा, उत्तरप्रदेश

भी आंखों के सम्मुख चलचित्र की भांति वर्तमान है। वह कविता थी-चाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूंथा जाऊं, चाह नहीं प्रेमी माला में बिंध प्यारी को ललचाऊं.... मुझे तोड़ लेना वनमाली,देना उस पथ पर तुम फेंक,मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पर जावें वीर अनेक। और रचनाकार हैं राष्ट्रवादी पत्रकारिता के शिखर पुरुष ओजस्वी वक्ता स्वतंत्रता संग्राम सेनानी माखनलाल चतुर्वेदी। आज 30 जनवरी को देश पुण्यतिथि के अवसर पर उस महान संपादक और देश में पत्रकारिता के विद्यापीठ के स्वप्नकार के प्रति श्रद्धा सुमन समर्पित कर स्वयं गौरवांवित है।

माखनलाल चतुर्वेदी भारतीय पत्रकारिता आकाश के उज्वल नक्षत्र हैं। उनका विराट व्यक्तित्व विभिन्न छवियों के साथ लोक सम्मुख प्रकट होता है। एक ओर वह शिक्षण परम्परा को गति देते दिखाई पड़ते हैं तो वहीं दूसरी ओर उनका साहित्यकार रूप हमें सम्मोहित करता है। वह जितनी भाव प्रवणता,करुणा, प्रेम एवं संवेदनशीलता के साथ काव्य कला के क्षेत्र में विचरण करते हैं, वहीं साहित्यिकता, संवेग, वैदुष्य, आंचलिकता, सरसता एवं आत्मीयता की भावना सहेजे गद्य के फलक पर भी ओज-तेज अग्नि धर्मा लेखन के साथ विद्यमान हैं। वह स्वतंत्रता सेनानी के रूप में ब्रिटिश सत्ता के अन्याय, अत्याचार एवं दमन नीति के विरुद्ध शंखनाद कर जूझते हैं, वहीं संपादक के रूप में आग उगलते संपादकीय एवं लेखों के माध्यम से सम्पूर्ण समाज के मानस को उद्वेलित, प्रेरित एवं जाग्रत करते हैं। एक ओर वह

लाल,बाल,पाल नाम से विख्यात त्रिरत्न लाला लाजपत राय,बालगंगाधर तिलक एवं बिपिन चंद्र पाल की विचार सरिता में अवगाहन कर अंग्रेजों के विरुद्ध सतत संघर्ष की हुंकार भरते हैं तो वहीं वह स्वयं में गांधी के सत्य,प्रेम एवं अहिंसा की प्रवहमान धारा का अनुभव करते हैं। यही कारण है कि उनकी रचनाओं में एक ओर जहां ओज-तेज की प्रखरता है, शत्रु विनाश का लक्षित संधान है तो वहीं दूसरी ओर पृष्ठ-दर-पृष्ठ सत्य,शांति,सदाचार,करुणा एवं मानवता के रुचिर मार्मिक चित्र भी दृष्टव्य हैं। समग्रता में देखें तो माखनलाल चतुर्वेदी का साहित्य प्रकृति के प्रति आत्मीयता एवं सम्पूर्ण मानव जाति के प्रति प्रेम का आख्यान है। वहां ब्रिटिश दासता से मुक्ति का आह्वान है तो सुप्त जन मानस के लिए प्रेरणा भरी ललकार भी। वह अपनी लेखनी से प्रभाती गाते हैं और उगते सूर्य की आराधना भी। वह ओजस्वी वक्ता के रूप में श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देने की कला में पारंगत हैं तभी तो गांधी उनकी वक्तृत्व कला की सराहना करते हुए कहते हैं कि हम लोग तो केवल बातचीत करते हैं, भाषण तो माखनलाल चतुर्वेदी जी करते हैं। गांधी जी हृदय से उनको मानते थे तभी तो वे उनके जन्म स्थान बाबई,होशंगाबाद पधार कर उस माटी को प्रणाम किया था जिसने देश में राष्ट्रीयता की भावना का ज्वार उठाने वाला लाल उत्पन्न किया था। माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म 4 अप्रैल,1889 को वर्तमान मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के बाबई ग्राम में शिक्षक पिता नंदलाल चतुर्वेदी के घर हुआ था। पिता के मार्गदर्शन में घर पर ही हिंदी, संस्कृत,बांग्ला,गुजराती और अंग्रेजी भाषा का अभ्यास कर समान अधिकार प्राप्त कर केवल 16 वर्ष की अवस्था में 8 रुपए मासिक वेतन पर शिक्षक के रूप में काम करना प्रारंभ किया था। उसके एक वर्ष पूर्व 1904 में आपका विवाह हो चुका था। शिक्षक के रूप में आप बच्चों के प्रिय शिक्षक रहे। शिक्षण के साथ लेखनी भी गतिशील रही। 1908 में हिंद केसरी अखबार द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन एवं बहिष्कार विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी छाप छोड़ी। 1913 में खंडवा से प्रभा मासिक पत्रिका का प्रकाशन आरंभ हुआ तो शिक्षक की नौकरी छोड़ संपादक के रूप में कार्य प्रारंभ किया। प्रभा पत्रिका गणेश शंकर विद्यार्थी के प्रताप प्रेस में छपने के कारण आपका परिचय विद्यार्थी जी से हुआ और जब 1916 में कांग्रेस का अधिवेशन लखनऊ में हुआ तो विद्यार्थी जी के साथ आपकी भेंट महात्मा गांधी और कवि मैथिलीशरण गुप्त से हुई। आप गांधी विचार से प्रभावित हो उनके आंदोलनों में सहभागिता करने लगे। असहयोग एवं सविनय अवज्ञा आंदोलन में आपको कारावास हुआ। इसी बीच कर्मवीर समाचार पत्र का संपादन दायित्व भी संभाला। गणेश शंकर विद्यार्थी के प्रख्यात पत्र प्रताप का संपादन दायित्व भी तब हाथ में लिया था,जब विद्यार्थी जी को जेल में बंद कर दिया गया था। अपने लेखों में अंग्रेजी नीति के विरोध एवं जनता को आंदोलन करने हेतु प्रेरित करने वाली सामग्री छापने के कारण आपके कार्यालय अर्थात् घर पर अर्धशताधिक बार छापा डाला गया। पर निर्भय स्वभाव वाले माखनलाल न डरे,न झुके बल्कि हर बार नयी ऊर्जा एवं ऊष्मा के साथ प्रकट हुए।

माखनलाल चतुर्वेदी के साहित्यिक अवदान के लिए 1943 में देव पुरस्कार, 1955 में साहित्य अकादमी पुरस्कार, 1959 में सागर विश्वविद्यालय द्वारा डी.लिट.की मानद उपाधि,1963 में पद्मभूषण आदि सम्मान प्रदान किये गये। 1967 में संसद द्वारा राजभाषा हिंदी संशोधन बिल के विरोध में आपने पद्मभूषण अलंकरण राष्ट्रपति महोदय को वापस कर दिया था,जो आपकी हिंदी के प्रति अविचल निष्ठा एवं सेवा का जीवंत प्रमाण है। हिम किरीटिनी,हिम तरंगिणी,युग चारण,समर्पण,समय के पांव,साहित्य के देवता आदि प्रमुख कृतियां हैं। मां भारती का यह साहित्य साधक पुत्र 30 जनवरी, 1968 को भोपाल में इस माटी को अंतिम प्रणाम कर परलोक गमन कर गया।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

बस्तर ओलंपिक की तर्ज पर सरगुजा ओलंपिक का होगा आयोजन

मुख्यमंत्री ने सरगुजा ओलंपिक के लोगो और शुभंकर 'गजरु' का किया अनावरण

- सरगुजा ओलंपिक में 12 खेल विधाओं में 3 लाख 50 हजार खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन
- 12 खेल विधाओं में विकासखंड जिला और संभाग स्तर पर आयोजित होगी प्रतियोगिताएं

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में बस्तर ओलम्पिक की तर्ज पर आयोजित होने वाले सरगुजा ओलंपिक के प्रतीक चिन्ह (लोगो) एवं शुभंकर 'गजरु' का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने सरगुजा अंचल के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब बस्तर की भांति सरगुजा की खेल प्रतिभाओं को भी अपनी क्षमता दिखाने का सशक्त मंच मिलेगा। मुख्यमंत्री ने 12 खेल विधाओं में लगभग 3 लाख 50 हजार खिलाड़ियों के पंजीयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह संख्या सरगुजा अंचल के युवाओं के उत्साह, ऊर्जा और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलम्पिक में जनभागीदारी ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर खास पहचान दिलाई है और अब वही उत्साह सरगुजा ओलंपिक को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। पंजीयन से यह स्पष्ट है कि सरगुजा पूरे मनोयोग और उमंग के साथ इस आयोजन के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने आयोजन की तैयारियों की विस्तृत जानकारी लेते हुए सफल आयोजन की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने सरगुजा ओलंपिक के शुभंकर और लोगो के अनावरण कार्यक्रम में कहा कि इस आयोजन से सरगुजा के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने का अच्छा मंच मिलेगा। इसके विजेता खिलाड़ियों को राज्य की प्रशिक्षण अकादमियों में सीधे प्रवेश दिया जाएगा। उन्हें यूथ आइकॉन घोषित कर युवाओं व बच्चों को खेलों से जुड़ने और खेलने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सरगुजा ओलंपिक 2026 का लोगो इस अंचल की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और खेल भावना का जीवंत प्रतीक है। लोगो के केंद्र में मैनपाट स्थित प्रसिद्ध टाइगर पॉइंट जलप्रपात को दर्शाया गया है, जो हरियाली, ऊर्जा और निरंतर प्रवाह का प्रतीक है। मध्य भाग में अंकित 'सरगुजा ओलंपिक 2026' आयोजन की स्पष्ट पहचान के साथ स्थानीय गौरव और अस्मिता को अभिव्यक्त करता है। चारों ओर 12 खेलों के प्रतीक चिन्ह समावेशिता और समान अवसर का संदेश देते हैं। रंगों का संयोजन आयोजन की जीवंतता, उत्साह और एकता को प्रकट करता है। लाल रंग का विशेष सांस्कृतिक महत्व पहाड़ी कोरवा जनजाति की परंपराओं से भी जुड़ा है, जहाँ यह शक्ति, साहस और जीवन-ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। यह रंग सकारात्मकता और संरक्षण का भाव लिए हुए दैवीय शक्ति और मानव जीवन के गहरे संबंध को दर्शाता है इसी प्रकार सरगुजा ओलम्पिक 2026 का शुभंकर गजरु को रखा गया है, जो सरगुजा अंचल की प्राकृतिक व सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। आदिवासी समाज में हाथी को बल, धैर्य, बुद्धिमत्ता और एकता का प्रतीक माना जाता है। इसकी विशेषताएँकृशक्ति, अनुशासन, संतुलन और निरंतर प्रयासकृखेल भावना से जुड़ी हैं तथा झुंड में चलने की प्रवृत्ति टीम वर्क और सामूहिक सहभागिता का संदेश देती है।

विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर आयोजित होगी खेल प्रतिभाएं : सरगुजा ओलंपिक के लिए 28 दिसंबर 2025 से 25 जनवरी 2026 तक पंजीयन किया गया है, जिसमें 06 जिलों से लगभग 03 लाख 50 हजार लोगों ने पंजीयन कराया है। इसमें 1 लाख 59 हजार पुरुष और 01 लाख 89 हजार महिलाओं ने आयोजन में अपना पंजीयन कराया है। कबड्डी, खो-खो, तीरंदाजी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, हॉकी, कुश्ती, रस्साकसी समेत 12 विधाओं में विकासखंड, जिला तथा संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। समारोह में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत, सचिव खेल यशवंत कुमार, संचालक खेल श्रीमती तनुजा सलाम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिले के 80 हजार से अधिक खिलाड़ी खेल प्रतियोगिताओं में लेंगे हिस्सा

सरगुजा ओलम्पिक में पूरे जिले के 80 हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने कुल कुल 80026 लोगों ने पंजीयन कराया जिसमें महिला 43273 एवं पुरूष 36753 शामिल हैं। जिसमें अम्बिकापुर विकासखण्ड में कुल 14691 पंजीकृत खिलाड़ी में से महिला 8500 एवं पुरूष 6191, उदयपुर विकासखण्ड में कुल 10479 पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला 4905 एवं 5574 पुरूष, बतौली विकासखण्ड में कुल 11710 पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला 6346 व पुरूष 5364, मैनपाट विकासखण्ड में कुल 7415 पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला 4680 एवं पुरूष 2735, लखनपुर विकासखण्ड में कुल 13342 पंजीकृत खिलाडियों में महिला 5592 एवं पुरूष 7750, लुण्ड्रा विकासखण्ड में कुल 11811 पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला 7355 एवं पुरूष 4456 एवं सीतापुर विकासखण्ड में कुल 10578 पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला 5895 एवं पुरूष 4683 शामिल हैं।

घने कोहरे के कारण दृश्यता 20 मीटर तक सिमटी....

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से गुरुवार को सरगुजा जिले में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण दृश्यता घटकर मात्र 10 से 20 मीटर तक सिमट गई, जिससे वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया।

सड़कों पर पास की वस्तुएं भी स्पष्ट दिखाई नहीं दे रही थीं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ का असर अगले दो दिनों तक बने रहने की संभावना है। इस दौरान तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम वैज्ञानिक ए.एम. भट्ट ने बताया कि इस समय मध्य एवं ऊपरी क्षोभमंडल में पश्चिमी विक्षोभ से प्रेरित एक चक्रवाती परिसंचरण मध्य-उत्तरी भारत के ऊपर सक्रिय है। इसका प्रभाव उत्तरी छत्तीसगढ़, विशेषकर सरगुजा अंचल में देखा जा रहा है। बुधवार से ही आसमान में बादल छाए हुए थे और गुरुवार सुबह घना कोहरा छा गया। पश्चिमी विक्षोभ के कारण बादलों की सक्रियत व कोहरे के कारण अधिकतम तापमान में 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। बुधवार का अधिकतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया था। वहीं गुरुवार को अधिकतम तापमान गिरकर 22.9 डिग्री पहुंच गया है। जबकि न्यूनतम 11.9 डिग्री दर्ज किया गया है। सुबह के समय हाइवे पर दृश्यता बेहद कम होने के कारण वाहनों की गति काफी धीमी रही। कोहरे का असर लगभग सुबह 11 बजे तक बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दो से तीन दिनों तक तापमान में गिरावट आने की संभावना है, जिससे एक बार फिर ठंड की वापसी महसूस की जा सकती है। गुरुवार को जिले का अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 11.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

धर्मांतरण मामले में रिटायर्ड महिला डिप्टी कलेक्टर गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

शहर में अवैध गतिविधियों पर सख्ती के तहत गांधीनगर पुलिस ने धर्मांतरण के आरोप में एक रिटायर्ड महिला डिप्टी कलेक्टर को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम के तहत की गई है, जिससे प्रशासन द्वारा ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति का संकेत मिला है। नमनाकला निवासी 66 वर्षीय ओमेगा टोप्पो, जो सेवानिवृत्त डिप्टी कलेक्टर हैं, पर आरोप है कि वे अपने निवास पर बीते लगभग एक वर्ष से नियमित रूप से तथाकथित चंगाई सभा का आयोजन कर रही थीं। पुलिस के अनुसार इन सभाओं की आड़ में लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा था। 25 जनवरी को हिंदू संगठनों से प्राप्त शिकायत के आधार पर गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची थी। उस समय उनके निवास पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। पुलिस का कहना है कि मौके पर 50 से 60 लोग उपस्थित थे,जिनमें विभिन्न समुदायों के लोग शामिल थे। प्रारंभिक जांच में कुछ लोगों के धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया चलने की जानकारी सामने आई थी। पुलिस जब कार्रवाई के लिए आगे बढ़ी तो आरोपी द्वारा दस्तावेज दिखाने और कार्रवाई का विरोध किए जाने की बात भी सामने आई। मौके से एक रजिस्टर जब्त किया गया, जिसमें सभा में शामिल लोगों के नाम दर्ज थे। पूछताछ के लिए महिला को थाने लाया गया था,लेकिन वह वहां से फरार हो गई, जिसके बाद पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। बुधवार को आरोपी के अपने निवास पर लौटने की सूचना मिलने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस ने ओमेगा टोप्पो के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 270,299 एवं छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम की धारा 5(क) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून के विरुद्ध किसी भी प्रकार की गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कोल खदान के स्टाफ से विवाद करने वाले 7 गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

अमेरा कोल खदान परिसर में घुसकर विवाद और मारपीट करने के मामले में लखनपुर पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार 29 जनवरी की सुबह आधा दर्जन से अधिक लोग संदिग्ध परिस्थितियों में अमेरा कोल खदान परिसर में घुस गए थे। खदान प्रबंधन के स्टाफ द्वारा पूछताछ किए जाने पर वे विवाद करने लगे।

घटना की सूचना मिलने पर लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में भी आरोपियों ने खदान स्टाफ से विवाद और मारपीट करने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस ने समझाइश देते हुए मौके से 7 लोगों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नंदलाल, गुलाब राजवाड़े, संजय यादव, तेजू राजवाड़े,सतेंद्र कुमार, प्रेम कुमार और महेश्वर राम शामिल हैं। सभी आरोपी लखनपुर थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 126 एवं 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की है। साथ ही उनके कब्जे से 6 मोटरसाइकिल और 10 बोरी कोयला जब्त किया गया है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत बालिकाओं को दी गई स्वास्थ्य,शिक्षा और सुरक्षा संबंधी जानकारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब), महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला सरगुजा द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करजी में किया गया। यह कार्यक्रम जिला कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री जे.आर. प्रधान के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में बालिकाओं को लैंगिक समानता के महत्व, जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा दी गई। साथ ही संतुलित आहार, एनीमिया की रोकथाम और मासिक धर्म स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान बालिकाओं को सेनेटरी पैड भी वितरित किए गए। सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 181 सखी वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098,पॉक्सो अधिनियम,साइबर क्राइम से बचाव, बाल श्रम निषेध तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई। इस आयोजन के माध्यम से बालिकाओं में आत्मविश्वास, जागरूकता और सशक्तिकरण की भावना को प्रोत्साहन मिला। कार्यक्रम में मिशन शक्ति से जिला समन्वयक श्रीमती नूतन सिन्हा, वित्तीय साक्षरता समन्वय विशेषज्ञ सुश्री नेहा सिंह, जिला विधिक सह परिविक्षा अधिकारी सुमंती खाखा, विद्यालय की शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

यूजीसी नियमों के खिलाफ स्वर्ण समाज का ऐलान,1 फरवरी को अंबिकापुर बंद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में प्रस्तावित 1 फरवरी को अंबिकापुर बंद को लेकर गुरुवार को स्वर्ण समाज की बैठक अग्रसेन भवन में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से बंद को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई और विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों को कन्वेयर नियुक्त किया गया। बैठक में स्वर्ण फॉर्म की ओर से संजय अग्रवाल को कन्वेयर नियुक्त किया गया। वहीं मुख्य कन्वेयर के रूप में क्षत्रिय समाज की ओर से क्षत्रिय युवा महासभा के अध्यक्ष शिवेश सिंह (बाबू), ब्राह्मण समाज की ओर से सर्व ब्राह्मण समाज के उपाध्यक्ष अनिल तिवारी, अग्रवाल समाज से शुभम अग्रवाल, कायस्थ समाज से अनिल सिन्हा, सिंधी समाज से अध्यक्ष अशोक नागवानी तथा केशरवानी समाज से विजय गुप्ता (दारा) को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक को संबोधित करते हुए आईबी तिवारी ने कहा कि विरोध पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए। अनिल तिवारी ने कॉलेज के विद्यार्थियों को भी इस आंदोलन में शामिल करने का सुझाव दिया। अतुल सिंह ने कहा कि सरकार की कथनी और करनी में अंतर है और मौजूदा नीतियां समाज को विभाजित करने का काम कर रही हैं। क्षत्रिय युवा महासभा के अध्यक्ष शिवेश सिंह (बाबू) ने कहा कि जिस समाज के समर्थन से भाजपा सत्ता में आई थी, उसी समाज के हितों के खिलाफ यूजीसी का नया कानून लाया गया है। यह कानून सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करेगा और इसके राजनीतिक परिणाम भी सामने आएंगे। बैठक में अजय नारायण पांडे, प्रेम शंकर राणा, उदय सिंह, राकेश शुक्ला, रविंद्र कुमार सिंह, नीलम शर्मा, डॉ. पुष्पेंद्र शर्मा, दिनेश गर्ग, अतुल सिंह, विजय कुमार गुप्ता, बालमुकुंद वर्मा, प्रदीप कुमार शुक्ला, चंदन तिवारी, अनिल कुमार दुबे, सुरेंद्र शास्त्री, सुशांत तिवारी, अमित सिंह, विजय सिंह, शशिकांत सिंह, दिनेश अग्रवाल, कार्तिक शुक्ल, सुरेंद्र नारायण सिंह, प्रिंस कुमार सिंह, गोपाल तिवारी, शुभम अग्रवाल, सज्जन मित्तल, रेणुका शुक्ला सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षक निलंबित : विद्यालय समय में नशे की हालत में पाए जाने पर कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

जिला शिक्षा अधिकारी, सरगुजा द्वारा विकासखंड लखनपुर अंतर्गत एक शिक्षक के विरुद्ध गंभीर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबन की कार्यवाही की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड शिक्षा अधिकारी लखनपुर द्वारा दिनांक 23 जनवरी 2026 को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था। इसमें उल्लेख किया गया कि ग्राम पंचायत गुमगराखुर्द के सरपंच द्वारा संकुल समन्वयक, संकुल केन्द्र गुमगराखुर्द को एक वीडियो प्रेषित किया गया, जिसमें एक शिक्षक विद्यालय समय के दौरान शराब के नशे की स्थिति में दिखाई दे रहे थे। जांच उपरांत उक्त शिक्षक की पहचान श्री बुद्धेश्वर प्रसाद मानिकपुरी, सहायक शिक्षक,एल.बी. प्राथमिक शाला गुमगराखुर्द (लखनपुर) के रूप में की गई। संकुल समन्वयक द्वारा भी पुष्टि की गई कि संबंधित शिक्षक ने वास्तव में शराब का सेवन किया था। उल्लेखनीय है कि उक्त तिथि को विद्यालय में सरस्वती पूजन का आयोजन भी किया गया था, जिसके दौरान उनका इस प्रकार विद्यालय पहुँचना अत्यंत आपत्तिजनक पाया गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रतिवेदन एवं दो वीडियो क्लिप के आधार पर यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 एवं नियम-23 के विपरीत तथा कदाचार की श्रेणी में पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी, सरगुजा द्वारा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के अंतर्गत श्री मानिकपुरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी के नाक के नीचे दम तोड़ता बाल संरक्षण,सड़कों पर भीख मांगता बचपन

बाल संरक्षण बना मजाकःचाइल्ड लाइन मौजूद,फिर भी सड़कों पर मासूम...

- कागजों में सुरक्षा,सड़कों पर बच्चेः सूरजपुर में बाल संरक्षण व्यवस्था ध्वस्त
- जब बचपन भीख मांगे और सिस्टम खामोश रहे...
- बाल संरक्षण की पोल खुली,सड़कों पर मजबूर मासूम...
- सूचना के बाद भी कार्रवाई शून्यःसूरजपुर में चाइल्ड लाइन की लचर हकीकत
- बचपन संकट में,जिम्मेदार बेखबरःसूरजपुर में बाल सुरक्षा व्यवस्था ठप्प...

-संवाददाता-
सूरजपुर,29 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।
सूरजपुर जिले में बाल संरक्षण की जमीनी हकीकत शासन-प्रशासन के तमाम दावों को खुली चुनौती देती नजर आ रही है। कागजों में बच्चों की सुरक्षा,पुनर्वास और अधिकारों को लेकर योजनाओं की लंबी सूची मौजूद है, लेकिन धरातल पर हालात इसके बिल्कुल विपरीत हैं। जिले की सड़कों,चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर आज भी मासूम बच्चे कटोरा हाथ में लेकर भीख मांगते दिखाई दे रहे हैं, यह दृश्य न केवल प्रशासनिक विफलता को उजागर करता है, बल्कि यह भी सवाल खड़ा करता है कि जब जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल संरक्षण इकाई और चाइल्ड लाइन जैसे जिम्मेदार विभाग मौजूद हैं, तब यह बचपन आखिर किसके भरोसे छोड़ा गया है?

बाल संरक्षण व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित

सरकार द्वारा बच्चों को शोषण, बाल श्रम और भिक्षावृत्ति से बचाने के लिए जिला बाल संरक्षण इकाई, जिला कार्यक्रम अधिकारी, चाइल्ड लाइन सेवा,किशोर न्याय अधिनियम, बाल कल्याण समिति जैसी मजबूत व्यवस्थाएं बनाई गई हैं,लेकिन सूरजपुर जिले में यह पूरी प्रणाली फाइलों और बैठकों से आगे नहीं बढ़ पा रही।

तस्वीरों ने खोली पोल

हाल ही में सामने आई तस्वीरों में साफ देखा गया कि छोटे-छोटे बच्चे रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार क्षेत्र,धार्मिक स्थलों पर खुलेआम भीख मांग रहे हैं,ये बच्चे न तो स्कूल में हैं, न किसी पुनर्वास केंद्र में,और न ही प्रशासन की निगरानी में, यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब पता चलता है कि इन मामलों की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी गई थी।

सूचना के बाद भी सिर्फ खानापूर्ति

पत्रकारों द्वारा जब इस गंभीर विषय की जानकारी चाइल्ड लाइन और विभागीय अधिकारियों को दी गई,तो दबाव में टीम को मौके पर भेजा गया, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टीम ने केवल मौके पर पहुंचकर औपचारिक पूछताछ की,बच्चों को रेस्क्यू नहीं किया गया, किसी तरह की काउंसलिंग नहीं हुई, पुनर्वास की कोई कार्ययोजना नहीं बनी कुछ समय बाद टीम लौट गई और हालात जस के तस बने रहे,यह पूरी प्रक्रिया 'दिखावे की कार्रवाई' से अधिक कुछ नहीं मानी जा रही।

दिखावे की टीम,जमीनी परिणाम शून्य : स्थानीय लोगों का कहना है कि चाइल्ड लाइन की टीम समय पर नहीं पहुंचती, कई बार फोन रिसीव तक नहीं करती, कार्रवाई की फाइल बाद में 'निपटा दी जाती है, परिणाम यह कि बच्चे फिर उसी चौराहे पर, उसी कटोरे के साथ नजर आने लगते हैं।

विवादों के घेरे में जिला कार्यक्रम अधिकारी

जिला कार्यक्रम अधिकारी की कार्यशैली पहले से ही विवादों में रही है। पूर्व में भी उन पर लापरवाही, निरीक्षण में उदासीनता, शिकायतों की अनदेखी जैसे गंभीर आरोप लगते रहे हैं, हालांकि जिले में पर्याप्त कर्मचारी,निर्धारित बजट, वाहन व संसाधन मौजूद होने के बावजूद, कार्रवाई का अभाव साफ तौर पर प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है।

चाइल्ड लाइन बनी 'सफेद हाथी'

बाल सुरक्षा के लिए बनाई गई 00 चाइल्ड लाइन सेवा आज जिले में सिर्फ बोर्ड और पोस्टर तक सीमित है,हकीकत में इसका उपयोग नाममात्र का है, कई मामलों में सूचना देने के घंटों बाद टीम पहुंचती है, तब तक बच्चे गायब हो जाते हैं, दलाल सक्रिय हो जाते हैं, सच्चाई दबा दी जाती है,यह स्थिति विभागीय लापरवाही के साथ संभावित मिलीभगत की ओर भी इशारा करती है।

बाल भिक्षावृत्ति : अपराध लेकिन कार्रवाई शून्य...

किशोर न्याय अधिनियम के तहत बाल भिक्षावृत्ति अपराध है,बच्चों से भीख मंगवाना दंडनीय है, दोषियों पर एफआईआर का प्रावधान है,लेकिन सूरजपुर जिले में इन नियमों का पालन शायद ही होता नजर आता है,आज तक कितने बच्चों को रेस्क्यू किया गया? कितनों का पुनर्वास हुआ? कितने मामलों में एफआईआर दर्ज हुई? इन सवालों के स्पष्ट जवाब विभाग के पास नहीं हैं।

प्रशासन से तीखे सवाल- अब सवाल सिर्फ बच्चों के नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही के हैं...

- जिला कार्यक्रम अधिकारी की निगरानी में यह सब कैसे हो रहा है?
- सूचना मिलने के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं होती?
- क्या बच्चों की सुरक्षा से बड़ा कोई और काम है?
- क्या लापरवाह अधिकारियों पर कभी जिम्मेदारी तय होगी?

नागरिकों ने की कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग

मामले की गंभीरता को देखते हुए अब जिले के सामाजिक संगठनों,जागरूक नागरिकों,अभिभावकों,पत्रकारों ने कलेक्टर से सीधे हस्तक्षेप, स्वतंत्र जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

सवाल सिस्टम पर,जवाब अब जरूरी

सूरजपुर में सड़कों पर भीख मांगते बच्चे प्रशासन के लिए सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि संवेदनशीलता की सबसे बड़ी परीक्षा हैं, यदि बच्चों की सुरक्षा के लिए बने विभाग ही अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ लें, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि सिस्टम की विफलता है, अब देखना यह है कि क्या प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेकर दोषियों पर कार्रवाई करेगा, या फिर यह खबर भी अन्य फाइलों की तरह दफन होकर रह जाएगी।

देर रात शौच से लौट रहे युवक पर भालुओं ने किया हमला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।
जशपुर जिले के देवदांड़ में बुधवार की रात शौच से वापस लौट रहे युवक पर तीन भालुओं ने हमला कर दिया। इस दौरान युवक करीब 45 मिनट तक बेहोश पड़ा रहा। उसे मरा समझकर भालू वहां से भाग गए। युवक को जब होश हाया तो वह घर पहुंचा और उसे इलाज के लिए बगीचा अस्पताल ले गए। वहां से रेफर करने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार विरेंद्र यादव पिता नंदकुमार उम्र 22 वर्ष जशपुर जिले के बगीचा थाना क्षेत्र के ग्राम देवदांड़ के रहने वाला है। वह बुधवार की रात करीब 11 बजे शौच के लिए घर से बाहर खेत में गया था। वह शौच कर वापस लौट रहा था तभी झाड़ी से निकलकर तीन भालुओं ने उसपर हमला कर दिया। भालुओं ने उसके सिर, हाथ व पैर को नोचकर जख्मी कर दिया है।

होश आने के बाद पहुंचा घर : भालुओं द्वारा हमला किए जाने से युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इससे वह बेहोश हो गया। उसे मरा समझकर भालु वहां से भाग गए। लगभग 45 मिनट बाद जब होश आया तो वह उठकर किसी तरह घर पहुंचा और घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन उसे इलाज के लिए बगीचा अस्पताल ले गए। उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टर उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां उसका इलाज चल रहा है।

20 नग नशीले इंजेक्शन के साथ आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।
20 नग नशीले इंजेक्शन के साथ आबकारी उडऩदस्ता टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उडऩदस्ता दल ने कार्रवाई कर आरोपी को जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार 29 जनवरी को सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को मुखबिर से जानकारी मिली की घुटरापारा निवासी नरेश गुप्ता अपने घर से नशीले इंजेक्शन बिक्री कर रहा है। टीम मौके पर पहुंचकर घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान प्रतिबंधित 10 नग रेक्सेजेसिक व 10 नग एवील इंजेक्शन पाया गया। जिसे आबकारी उडऩदस्ता दल ने जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। उडऩदस्ता दल ने नरेश गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। आरोपी नशेड़ी प्रवृति का है और खुद भी नशीले इंजेक्शन लगाता है।

सलाहकार समिति की बैठक में आंगनबाड़ी व पेंशन योजनाओं पर चर्चा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।
महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग की सलाहकार समिति की बैठक 29 जनवरी को डाटा सेंटर स्थित सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रियंका गुप्ता ने की। बैठक में नगर निगम अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों के सुचारू संचालन, सामाजिक पेंशन एवं सुरक्षा योजनाओं तथा स्व-सहायता समूहों के विस्तार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए। बैठक में समिति सदस्य सुषमा रोचक गुप्ता, शैलेश सिंह एवं मेघा खांडेकर उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त नगर निगम के राजस्व अधिकारी निलेश करकेटा, सहायक राजस्व अधिकारी शशांक दुबे, विजय कुजूर तथा समाज कल्याण विभाग के लिपिक अवध विश्वकर्मा भी बैठक में मौजूद रहे।

विकसित भारत जी राम जी योजना से बदलेगी गांवों की तस्वीर रोजगार और विकास की गारंटी : जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,29 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।
विकसित भारत जी राम जी जनजागरण अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी मंडल पटना द्वारा देवगढ़ धाम में मंडल स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के मुख्य आतिथ्य तथा मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, सम्मेलन का शुभारंभ भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

गांवों को मिलेगा रोजगार और विकास का नया आधार-देवेन्द्र तिवारी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि कांग्रेस द्वारा मनरेगा को बंद किए जाने को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि मनरेगा की कमियों को दूर कर 'विकसित भारत जी राम जी कानून' लागू किया गया है, उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था के तहत अब ग्रामीण श्रमिकों को 100 नहीं बल्कि 125 दिन का रोजगार मिलेगा,मजदूरी भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी, विकास कार्यों की गति तेज होगी, देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि विकसित भारत जी राम जी योजना से गांवों की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलेगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

गांव-गांव पहुंचेगा जनजागरण अभियान

जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि गांवों में जनचौपाल आयोजित की जाए, हाट-बाजारों में नुक्कड़ सभाएं की जाएं, घर-घर जनसंपर्क कर योजनाओं की जानकारी दी जाए, ताकि विकसित भारत जी राम जी योजना का लाभ अधिक से अधिक ग्रामीण परिवारों तक पहुंच सके।

मोदी सरकार की योजनाओं से मिल रहा सीधा लाभ-मोहित पैकरा

जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि आने वाले समय में विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीण विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी और रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी।

पूरा देश कर रहा प्रधानमंत्री का अभिनंदन-जवाहरलाल गुप्ता

पूर्व जिलाध्यक्ष जवाहरलाल गुप्ता ने कहा कि विकसित भारत जी राम जी योजना के लिए पूरा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन कर रहा है, जबकि कांग्रेस जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों को मिलेगा सीधा लाभ-रविशंकर शर्मा : पूर्व जिला उपाध्यक्ष रविशंकर शर्मा ने कहा कि इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास होगा तथा आम जनता को स्थायी रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

डिजिटल व्यवस्था से खत्म होगा भ्रष्टाचार -कपिल जायसवाल : जिला महामंत्री कपिल जायसवाल ने कहा कि विकसित भारत जी राम जी योजना में भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई है। पूरी व्यवस्था को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी, श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा, भुगतान में गड़बड़ी नहीं होगी।

भारी संख्या में कार्यकर्ता रहे उपस्थित : सम्मेलन में प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, पूर्व जिलाध्यक्ष जवाहरलाल गुप्ता,पूर्व जिला उपाध्यक्ष रविशंकर शर्मा,जिला उपाध्यक्ष अनिल साहू, जिला महामंत्री कपिल जायसवाल,नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, पूर्व जिला महामंत्री विनोद साहू, जिला मंत्री शारदा गुप्ता,सुनिता कुर्रे,जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े,नगर पंचायत उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल,मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव, जिला कार्यसमिति सदस्य योगेन्द्र मिश्रा,मंडल महामंत्री सचिदानंद द्विवेदी, सत्यम साहू,सरपंच नरेन्द्र सिंह, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलराज रवि, भाजयुमो जिलाध्यक्ष सतेन्द्र राजवाड़े, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष कृष्णा प्रजापति, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रीता यादव सहित जिला, मंडल, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंच संचालन : कार्यक्रम का सफल संचालन मंडल महामंत्री सचिदानंद द्विवेदी एवं सत्यम साहू द्वारा किया गया।

डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर को मिला भारतीय पुलिस पदक गणतंत्र दिवस पर रायपुर में राज्यपाल रमेन डेका के हाथों हुए सम्मानित...

-संवाददाता-
सूरजपुर,29 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ पुलिस के लिए गौरवपूर्ण क्षण उस समय देखने को मिला जब उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय पुलिस सेवा के लिए भारतीय पुलिस पदक से सम्मानित किया गया, यह सम्मान उन्हें 76 वें गणतंत्र दिवस समारोह 2026 के अवसर पर रायपुर स्थित पुलिस परेड मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया।

राज्यपाल के हाथों मिला प्रतिष्ठित सम्मान-पदक वितरण समारोह में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने प्रशांत ठाकुर सहित चयनित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया, सम्मान समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें वरिष्ठ

प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग के उच्चाधिकारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सराहनीय एवं विशिष्ट सेवा के लिए चयन-प्रशांत ठाकुर को यह सम्मान उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, जनसुरक्षा के प्रति समर्पण, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रभावी पुलिसिंग, जैसे उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया है,उनकी सेवाओं को पुलिस

मुख्यालय द्वारा विशिष्ट एवं अनुकरणीय मानते हुए भारतीय पुलिस पदक के लिए चयनित किया गया।

सूरजपुर सहित कई जिलों में दी उल्लेखनीय सेवाएं-जानकारी के अनुसार प्रशांत ठाकुर पूर्व में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक,सूरजपुर के पद पर भी कार्यरत रह चुके हैं,अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावी रणनीति,अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था सुदृढ़ीकरण, जनसंवाद आधारित पुलिसिंग जैसे कई महत्वपूर्ण कार्यों को सफलता पूर्वक अंजाम दिया, वर्तमान में वे उप पुलिस महानिरीक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

25 पुलिस अधिकारियों को मिला पदक सम्मान- गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य से कुल 25 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न श्रेणियों में पुलिस पदक प्रदान किए गए, इनमें शामिल रहे विशिष्ट सेवा पदक सराहनीय सेवा पदक,वीरता पदक इन सभी सम्मानों की घोषणा केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी सूची के आधार पर की गई थी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की अनुशंसा पर हुआ चयन- भारतीय पुलिस पदक प्रदान किए जाने की प्रक्रिया केंद्रीय गृह मंत्रालय की सिफारिश,राज्य पुलिस मुख्यालय की अनुशंसा,सेवा रिकॉर्ड एवं आचरण मूल्यांकन के आधार पर पूरी की जाती है, इसके पश्चात राष्ट्रपति की स्वीकृति से यह पदक प्रदान किया जाता है।

क्या है भारतीय पुलिस पदक?- भारतीय पुलिस पदक देश का एक अत्यंत प्रतिष्ठित पुलिस सम्मान है,यह पदक विशिष्ट सेवा,सराहनीय सेवा, वीरता के लिए प्रदान किया जाता है, यह सम्मान प्रतिवर्ष 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस), 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) के अवसर पर घोषित किया जाता है, यह पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति की ओर से, केंद्रीय गृह मंत्रालय की अनुशंसा पर प्रदान किया जाता है।

पुलिस विभाग में खुशी का माहौल- प्रशांत ठाकुर को इस सम्मान से नवाजे जाने पर पुलिस विभाग, सहकर्मी अधिकारी, अधीनस्थ कर्मचारी में हर्ष का वातावरण है, वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे पुलिस बल के लिए प्रेरणास्रोत है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में विशेषज्ञ चिकित्सकों की संविदा नियुक्ति

बैकुंठपुर सहित कई जिलों को मिले डॉक्टर

-न्यूज डेस्क-

रायपुर/सूरजपुर/कोरिया, 29 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की लंबे समय से चली आ रही कमी को दूर करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है,स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत राज्य के अलग-अलग जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की संविदा नियुक्ति की गई है,यह आदेश 29 जनवरी 2026 को नवा रायपुर अटल नगर से जारी किया गया,इस आदेश के अनुसार कान-नाक-गला,मेडिसिन,नेत्र रोग,एनेस्थीसिया सहित विभिन्न विशेषज्ञ ताओं के चिकित्सकों को जिला अस्पतालों एवं विशेष स्वास्थ्य इकाइयों में पदस्थ किया गया है, नियुक्त चिकित्सकों को निर्धारित फिक्स्ड सैलेरी पैकेज के आधार पर मानदेय प्रदान किया जाएगा।

अन्य जिलों में भी हुई विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति

डॉ. विनीत विश्वकर्मा (मेडिसिन विशेषज्ञ)
जिला अस्पताल चिरमिरी-भरतपुर—1,15,000

डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी (एनेस्थीसिया विशेषज्ञ)
जिला अस्पताल मनेन्द्रगढ़—1,03,125

डॉ. सान्वी सिन्हा (नेत्र रोग विशेषज्ञ)
जिला अस्पताल रामानुजगंज—1,03,125

डॉ. प्रीतम प्रसाद कुश (नेत्र रोग विशेषज्ञ)
जिला अस्पताल सारंगढ़—1,03,125

डॉ. सचिन जायसवाल (मेडिसिन विशेषज्ञ)
जेरियाट्रिक केयर वार्ड,सरगुजा—1,48,500

डॉ. सुशील जायसवाल (मेडिसिन विशेषज्ञ)
जिला अस्पताल सरगुजा—1,48,500

बैकुंठपुर जिला अस्पताल को मिला ईएनटी विशेषज्ञ

कोरिया जिले के जिला अस्पताल बैकुंठपुर के लिए यह नियुक्ति अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है, यहां लंबे समय से ईएनटी विशेषज्ञ की कमी बनी हुई थी, जिसके कारण मरीजों को अमूमन अंबिकापुर या बिलासपुर रेफर किया जाता था, स्वास्थ्य विभाग के आदेश के अनुसार डॉ. मुकेश कुमार हेला (कान-नाक-गला विशेषज्ञ) को जिला अस्पताल बैकुंठपुर में पदस्थ किया गया है उन्हें प्रतिमाह ?68,750 का मानदेय मिलेगा,इस नियुक्ति से अब कान, नाक एवं गला संबंधी गंभीर रोगों के उपचार में स्थानीय मरीजों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

संविदा नियुक्ति की प्रमुख शर्तें

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आदेश में नियुक्ति से जुड़ी विस्तृत शर्तें भी स्पष्ट की गई हैं सभी नियुक्तियाँ संविदा आधार पर की गई हैं,संविदा अवधि 31 मार्च 2026 तक अथवा आगामी आदेश तक प्रभावशील रहेगी,चिकित्सकों को मानव संसाधन नीति 2018 के अंतर्गत नियुक्त किया गया है, वेतन पूरी तरह फिक्स्ड सैलेरी पैकेज के अनुसार देय होगा, किसी भी प्रकार का अतिरिक्त भत्ता या निजी प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी।

01 फरवरी तक कार्यभार ग्रहण अनिवार्य

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी चयनित चिकित्सकों को 01 फरवरी 2026 तक अपने-अपने नियुक्ति स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा,निर्धारित तिथि तक ज्वाइन नहीं करने पर नियुक्ति स्वतः निरस्त मानी जा सकती है।

ज्वाइनिंग के समय अनिवार्य दस्तावेज

चिकित्सकों को ज्वाइनिंग के दौरान शैक्षणिक प्रमाण-पत्र,मेडिकल काउंसिल पंजीयन, अनुभव प्रमाण पत्र,जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र,पहचान पत्र जमा करना अनिवार्य होगा।

स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती

विशेषज्ञ चिकित्सकों की यह नियुक्ति ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों के लिए विशेष रूप से राहतकारी मानी जा रही है, जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ उपलब्ध होने से रेफरल मामलों में कमी आएगी,मरीजों को समय पर उपचार मिलेगा,सरकारी अस्पतालों पर जनता का भरोसा मजबूत होगा विशेषकर कोरिया,सरगुजा, मनेन्द्रगढ़ जैसे दूरस्थ जिलों में यह नियुक्ति स्वास्थ्य व्यवस्था को नई मजबूती देगी।

वीबी जी राम जी योजना से ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास होगा: डॉ. राजीव सिंह

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,29 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय स्थित मानस भवन बैकुण्ठपुर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा विकसित भारत जी राम जी जनजागरण अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया,कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पं.दीनदयाल उपाध्याय के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विकसित भारत जी राम जी के प्रदेश सह प्रभारी डॉ. राजीव सिंह, जिला संगठन प्रभारी ललन प्रताप सिंह,पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी मंचासीन रहे।

जिले के दूरस्थ अंचलों की बदलेगी तस्वीर : देवेन्द्र तिवारी भाजपा

जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा...कि संगठनात्मक मजबूती के साथ-साथ विकास योजनाओं को धरातल पर उतारना पार्टी की प्राथमिकता है, उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी राम जी योजना के माध्यम से जिले के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों की तस्वीर बदलेगी,रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे,ग्रामीण परिवार आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगे।

भारी संख्या में कार्यकर्ता रहे उपस्थित

कार्यक्रम में जिला व मंडल स्तर के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे,जिनमें प्रमुख रूप से जगदीश साहू,जवाहरलाल गुप्ता,अशोक जायसवाल,अनिल साहू,राजेश सिंह,चुन्नी पैकरा,पंकज गुप्ता,कपिल जायसवाल,संगीता सोनवानी,प्यारे साहू,शिव कुमारी सोनपाकर,ईश्वर राजवाड़े, शारदा गुप्ता,प्रदीप तिवारी,विनोद साहू,राजेन्द्र चक्रधारी,मंजू जिवनानी,तीरथ राजवाड़े,वर्षा साहू,जगनारायण साहू,राकेश गुप्ता सहित भाजपा के जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष,मोर्चा-प्रकोष्ठ पदाधिकारी,जिला व मंडल कार्यसमिति सदस्य,शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष एवं सचिव बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई दिशा-डॉ.राजीव सिंह

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश सह प्रभारी डॉ. राजीव सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है,उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मील का पत्थर साबित होगी,इस योजना के माध्यम से स्थानीय स्तर पर कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा, लघु उद्योगों को नई मजबूती मिलेगी, स्वरोजगार के अवसर सृजित होंगे, ग्रामीण युवाओं को रोजगार के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा उन्होंने कहा कि इस योजना से गांवों का समग्र और सतत विकास सुनिश्चित होगा।

गांव,गरीब और युवा आत्म निर्भर होंगेः ललन प्रताप सिंह

जिला संगठन प्रभारी ललन प्रताप सिंह ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब गांव मजबूत होंगे,गरीब सशक्त होंगे,किसान समृद्ध होंगे, महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी,युवा रोजगार से जुड़ेंगे, उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि विकसित भारत जी राम जी जनजागरण अभियान को घर-घर पहुंचाएं तथा सरकार की योजनाओं को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करें।

वीबी जी राम जी एक्ट से विकास कार्यों को मिलेगी गति : कृष्णबिहारी जायसवाल

वीबी जी राम जी टोल के प्रदेश सदस्य कृष्णबिहारी जायसवाल ने कहा कि विकसित भारत जी राम जी बिल लोकसभा एवं राज्यसभा में पूर्ण बहुमत से पारित हुआ है, उन्होंने कहा कि वीबी जी राम जी एक्ट लागू होने से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचेगा।

शहीदों को नमनः 30 जनवरी को सुबह 11 बजे दो मिनट का राष्ट्रव्यापी मौन, समस्त जिले को जारी किया गया निर्देश

-संवाददाता-
एमसीबी,29 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों की स्मृति में 30 जनवरी 2026 को शहीद दिवस के अवसर पर पूर्वान्ह 11.00 बजे दो मिनट का मौन धारण किया जाएगा। उक्त आयोजन को गरिमामय एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराने हेतु जिले के समस्त कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों एवं संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। निर्देशों के अनुसार मौन अवधि के दौरान सभी शासकीय एवं गैर शासकीय गतिविधियाँ पूर्णतः स्थगित रहेंगी। जहां सायरन की व्यवस्था उपलब्ध है वहां प्रातः10.59 बजे से 11.00 बजे तक सायरन बजाकर मौन की शुरुआत तथा पूर्वान्ह 11.02 बजे से 11.03 बजे तक क्लीयर सायरन बजाकर मौन की समाप्ति की सूचना दी जाएगी। सायरन अथवा संकेत मिलते ही सभी नागरिकों को खड़े होकर श्रद्धापूर्वक मौन धारण करना होगा। जिन स्थानों पर सायरन की सुविधा उपलब्ध नहीं है वहां पूर्वान्ह 11.00 बजे दो मिनट का मौन सुनिश्चित कराने के लिए पूर्व से ही समुचित व्यवस्था एवं सूचना जारी की जाएगी। पूर्व में सामने आई औपचारिकता को दृष्टिगत रखते हुए इस वर्ष शहीद दिवस को पूर्ण गंभीरता, अनुशासन एवं जन सहभागिता के साथ मनाने के निर्देश समस्त जिले को दिए गए हैं। इसके अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान, राष्ट्र की एकता एवं अखंडता जैसे विषयों पर हाइब्रिड एवं ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान, संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि शहीदों के त्याग का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुँच सके।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर होगा नशा मुक्ति का संकल्प

-संवाददाता-
एमसीबी,29 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

महात्मा गांधी की पुण्य तिथि 30 जनवरी 2026 के अवसर पर मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जनसामान्य से नशामुक्ति के पक्ष में संकल्प एवं शपथ-पत्र पर हस्ताक्षर कराकर व्यसन मुक्ति हेतु सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जाएगा। इस अवसर पर संबंधित विभागों के सहयोग से एमसीबी जिले की नशामुक्त भारत अभियान की कार्ययोजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। जिले के स्कूलों एवं महाविद्यालयों में नशा मुक्ति विषयक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनकी संक्षिप्त जानकारी फोटोग्राफ सहित एनएमबीए मोबाइल एप में अपलोड की जाएगी। भारत माता वाहिनी एवं समुदाय के सहयोग से एमसीबी जिले में वृहद रैली निकालकर नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जाएगा। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नशापान से होने वाले दुष्परिणामों पर केन्द्रित व्याख्यान, चित्रकला, गीत, नृत्य एवं नाटक प्रतियोगिताओं के साथ मानव श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम स्थलों पर नशा मुक्ति पर आधारित प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा जागरूकता साहित्य का वितरण भी किया जाएगा। साथ ही विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान,नशापान के दुष्परिणामों पर प्रश्नोत्तरी तथा योगाचार्यों के मार्गदर्शन में योगाभ्यास का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

लखनपुर,दिनांक....

प्रति
समस्त ग्रामवासी
ग्राम -अंधला
तहसील लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / हरि नाथ यादव आ0 स्व0 उबार राम निवासी ग्राम अंधला तहसील लखनपुर के द्वारा अपने बाबा स्व0 सरद राम की मृत्यु दिनांक 27/02/2010 को हो जाने से (जन्म मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1959 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म - मृत्युं रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक .... को सुनवाई की जानी है।

आवेदक / आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिनाषक के माध्यम से पेशी तिथी.... के पूर्व इस न्यायालय आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सील — तहसीलदार लखनपुर,सरगुजा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ...../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनीष जायसवाल पिता गोवंधन जायसवाल जाति जायसवाल निवासी नवापारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम मोतिपुर तहसील दरिमा जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 437/2, 438/2, 439/3 रकबा 0.010, 0.026, 0.035 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 5/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 29/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार लटोरी जिला सूरजपुर छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क0 202506260100049 /अ-21 (4)/2024-25

आम जनता ग्राम तुलसी को सूचित किया जाता है, कि आवेदक हीरालाल आ0 जायमंगल जाति बरगाह निवासी ग्राम राई थाना जयनगर तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम तुलसी प0ह0न0 13 रा0नि0म0 लटोरी तहसील लटोरी जिला सूरजपुर छ0ग0 स्थित अपने खाते की भूमि ख0न0 शासन से पट्टे पर प्राप्त भूमि है को विकास कुमार मिश्रा आ0 अवधेश मिश्रा 1852/2 रकबा 0.20 हे0 भूमि जो ब्राम्हण निवासी ग्राम नमनाकला अम्बिकापुर थाना तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा जाति छ0ग0 के पास विक्रय किये जाने हेतु अनुमति प्रदाय किये जाने हेतु न्यायालय श्रीमान कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किये जाने पर इस न्यायालय को प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने हेतु प्राप्त हुआ है। जिस पर कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है। जॉच अतः इस सम्बंध मे जिस किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप प्रकरण मे नियत सुनवाई तिथि 09/02/2026 को दिन के 11.00 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय मे वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना आक्षेप प्रस्तुत कर सकता है। नियत समय के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नही किया जावेगा और कार्यवाही कर दी जावेगी ।

आज दिनाँक 19/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नायब तहसीलदार
तहसील - लटोरी,जिला- सूरजपुर (छ0ग0)

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता एवं सदस्य सचिव

डी.डब्ल्यू.एस.एम. लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर (छ0ग)
Email: eebalram-phe-cg@nic.in

नि.सू.क्रमांक 13/ले. शा./ का.अ./ लोस्वायावि / 2026 बलरामपुर दिनांक 27.01.2026

निविदा आमंत्रण (Risk & Cost)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर के लिये सी.एस.आर मद अंतर्गत नलकूप खनन् कार्य हेतु निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है -

निविदा समुह क्रमांक	कार्यक अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा समुह क्रमांक	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	09.52	2	09.52
3	09.52	4	09.52

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण यथा धरोहर राशि, बिड वैधता की तिथि, कार्य की अवधि, निविदाकार की श्रेणी, एवं स्थल संबंधी जानकारी कार्यालयीन समय पर लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी, खण्ड बलरामपुर में देखे जा सकते है, एवं उक्त निविदा में दिनांक 27.01.2026 से 03.02.2026 तक आवेदन किया जा सकता है।

अधीक्षण अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बलरामपुर (छ0ग0)

जी नंबर-252606298/2

सहायक अभियंता 50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,29 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

एसीबी की टीम ने कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में बिजली विभाग के सहायक अभियंता को 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जानकारी देते बताया जा रहा है कि उक्त अधिकारी ने एक किसान के खेत में ट्रांसफार्मर लगाने के नाम पर पैसों की मांग करी थी। जिसकी शिकायत किसान ने एसीबी में कर दी थी। शिकायत पर एक्शन लेते हुए एसीबी की टीम ने सहायक

अभियंता को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक ये पूरा मामला दीपका थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है दीपका थाना क्षेत्र अंतर्गत बिजली वितरण विभाग में

पदस्थ सहायक अभियंता ने ग्राम रलिया निवासी किसान से खेत में ट्रांसफार्मर लगाने के एवज में 50 हजार रुपये की रिश्वत की मांग करी थी। पीड़ित किसान द्वारा इसकी शिकायत एसीबी में की थी। पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर एसीबी की टीम ने योजना बनाकर जाल बिछाया। पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार जैसे ही किसान सहायक अभियंता ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम ली। एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। एसीबी की टीम ने सहायक अभियंता को 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार करने के बाद उनके भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। इस कार्यवाही पश्चात विद्युत वितरण विभाग सहित अन्य विभागों में भी हड़कंप मचा हुआ है।

धैर्य रखें, सड़क पर लापरवाही न करें-दुर्घटना से देर भली : एसपी आरके कुर्रे

यातायात,साइबर,नशा मुक्ति,पाक्सो,जल संरक्षण,वृक्षारोपण,शिक्षा व अनुशासन पर विद्यार्थियों को किया गया जागरूक...

सड़क सुरक्षा पर विशेष जोर...

एसपी श्री कुर्रे ने विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि सड़क पर लापरवाही जानलेवा हो सकती है,उन्होंने कहा धैर्य रखें, जल्दबाजी न करें – दुर्घटना से देर भली। उन्होंने यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट व सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने तथा नाबालिग अवस्था में वाहन न चलाने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं न केवल व्यक्ति बल्कि पूरे परिवार को जीवनभर का दर्द दे जाती हैं, इसलिए सुरक्षा नियमों का पालन सभी की जिम्मेदारी है।

नशा मुक्ति को बताया जीवन का आधार...

पुलिस अधीक्षक ने नशा मुक्ति पर गहन चर्चा करते हुए कहा कि नशा विनाश की जड़ है,उन्होंने छात्रों को किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि यदि परिवार या आसपास कोई व्यक्ति नशे की गिरफ्त में है,तो उसे सही मार्ग पर लाने के लिए प्रेरित करें, उन्होंने यह भी कहा कि जिले में यदि कहीं अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री या तस्करी की जानकारी मिले,तो तत्काल पुलिस को सूचित करें – सूचना देने वाले की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

साइबर अपराध से सतर्क रहने की अपील...

वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर एसपी श्री कुर्रे ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से जागरूक किया, उन्होंने बताया कि अनजान व्यक्ति से सोशल मीडिया पर बातचीत न करें,अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें,ओटीपी,पासवर्ड एवं बैंक संबंधी जानकारी किसी से साझा न करें,फर्जी लिंक,ई-मेल,लॉटरी,कूपन और लालच देने वाले विज्ञापनों से बचें,मोबाइल व इंटरनेट का सीमित एवं सुरक्षित उपयोग करें, उन्होंने कहा कि जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे बड़ा हथियार है।

यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुरेशा चौबे ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों एवं संकेत चिन्हों की विस्तृत जानकारी प्रदान की, उन्होंने बताया 18 वर्ष से कम आयु में वाहन चलाना अपराध है, ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के बाद ही वाहन चलाएं, हेलमेट व सीट बेल्ट अनिवार्य है, दोपहिया वाहन पर तीन सवारी न करें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें,शराब या मादक पदार्थ सेवन कर वाहन न चलाएं,प्रेशर हॉर्न का प्रयोग न करें, उन्होंने यातायात के अनिवार्य, चेतावनी एवं सूचनात्मक चिन्हों, चौराहा पार करने के नियम,ट्रैफिक सिग्नल,हाथों के संकेत,रेलवे क्रॉसिंग,ज़ेब्रा क्रॉसिंग,गुड समेरिटन कानून, मोटर व्हीकल एक्ट की धाराएं एवं निर्धारित जुर्माने की जानकारी भी दी, कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई।

पाक्सो,जल संरक्षण,पर्यावरण व सामाजिक विषयों पर मार्गदर्शन

एसपी श्री कुर्रे ने विद्यार्थियों को पाक्सो एक्ट,बाल सुरक्षा,जल संरक्षण, स्वच्छता,प्लास्टिक उपयोग में कमी, वृक्षारोपण,स्वास्थ्य,शिक्षा,आत्मविश्वास, खेल और परिवार के प्रति जिम्मेदार दृष्टिकोण जैसे विषयों पर सरल एवं व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से जानकारी दी, उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी यदि आज जागरूक बनेगी तो कल समाज स्वतः सुरक्षित और सशक्त बनेगा।

पुलिस अधीक्षक का किया गया सम्मान

कार्यक्रम के समापन पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य एवं स्टाफ द्वारा राष्ट्रपति पदक प्राप्त कर जिले एवं प्रदेश को गौरवान्वित करने पर पुलिस अधीक्षक श्री रवि कुमार कुर्रे को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में रहे उपस्थित

इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक श्याम मधुकर,महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एम.सी. हिमधर,सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रीति गुप्ता,एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनुरंजन कुजूर,कार्यालय प्रमुख आरिफ ढ़ेवर,यातायात प्रभारी उप निरीक्षक बीरबल राजवाड़े,हवलदार महेश मिश्रा,महाविद्यालयीन स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

-राजन पाण्डेय-

कोरिया/बैकुंठपुर,29 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। जिले में संचालित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत बुधवार को शासकीय रामानुज प्रताप सिंह देव स्नातकोत्तर महाविद्यालय,बैकुंठपुर में एक व्यापक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया,कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पुलिस अधीक्षक कोरिया रवि कुमार कुर्रे ने विद्यार्थियों को जीवन, सुरक्षा और जिम्मेदारी से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया, कार्यशाला को संबोधित करते हुए एसपी श्री कुर्रे ने कहा कि आप सभी अपने जीवन के उस महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, जहां से भविष्य की दिशा तय होती है, ऐसे समय में संयम, अनुशासन और सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। लक्ष्य निर्धारित कर समय प्रबंधन के साथ कठिन परिश्रम करें, क्योंकि बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता केवल पछतावा शेष रहता है।

अवैध धान परिवहन पर प्रशासन की सख्ती

158 प्रकरण दर्ज, 20851 क्विंटल से अधिक धान जब्त

वास्तविक किसानों को मिल रहा धान खरीदी का लाभ

-संवाददाता-

बलरामपुर,29 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा निरंतर सतत निगरानी रखी जा रही हैं। जिससे वास्तविक एवं पात्र किसानों से ही धान खरीदी की जा रही है एवं लाभ दिया जा रहा है। साथ ही पारदर्शी एवं निष्पक्ष धान खरीदी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने सभी अंतरराज्यीय सीमाओं एवं चेक पोस्टों पर निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है, परिणामस्वरूप अब तक जिले में कुल 158 प्रकरण में 20851 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है। कार्रवाई के दौरान अवैध परिवहन में प्रयुक्त 78 चार पहिया तथा 10 दोपहिया सहित कुल 88 वाहनों को जब्त किया गया है। साथ ही अवैध धान में संलिप्त 6 व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। कलेक्टर श्री कटारा के मार्गदर्शन में प्रशासनिक अमला द्वारा संदिग्ध वाहनों एवं परिवहन गतिविधियों पर विशेष फोकस करते हुए सघन जांच कर संलिप्त होने पर मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अब तक जिले में 51632 पंजीकृत किसानों में से 41 हजार 126 किसानों को 627 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। धान का उठाव भी लगातार जारी है। अब तक धान उपार्जन केन्द्रों से 801223.14 क्विंटल धान का उठाव किया गया है।

सोनहत के वनांचल ग्राम रामगढ़ में 'सरगुजा ओलंपिक' का भव्य आयोजन

पारंपरिक खेलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम,ग्रामीण प्रतिभाओं को मिला मंच

-संवाददाता-

सोनहत,29 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुसार एवं स्थानीय प्रशासन के सहयोग से सोनहत विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम रामगढ़ में 'सरगुजा ओलंपिक' का भव्य और उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। इस खेल महाकुंभ ने ग्रामीण अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का सशक्त मंच प्रदान किया, कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना, पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना तथा स्वास्थ्य एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करना रहा।

उत्साहपूर्ण माहौल,रही व्यापक जनभागीदारी

'सरगुजा ओलंपिक' आयोजन के दौरान रामगढ़ सहित आसपास के आश्रित ग्रामों से बड़ी संख्या में ग्रामीण दर्शक उपस्थित रहे, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने खेलों का आनंद लिया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। पूरे गांव में मेले जैसा वातावरण बना रहा।

विजेताओं का सम्मान, जिला स्तर के लिए चयन

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों एवं टीमों को मेडल, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, साथ ही श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन आगामी जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक प्रतियोगिता के लिए किया गया।

पारंपरिक खेलों की रही विशेष धूम

रामगढ़ के खेल मैदान में आयोजित प्रतियोगिताओं में आधुनिक खेलों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति से जुड़े पारंपरिक खेलों को विशेष महत्व दिया गया, प्रतियोगिता के दौरान प्रमुख रूप से दौड़ एवं लंबी कूद खिलाड़ियों ने अपनी गति,शक्ति और सहनशक्ति का शानदार प्रदर्शन किया, कबड्डी–टीम भावना और रणनीति से भरपूर मुकाबले देखने को मिले, खो-खो–फुर्ती और तालमेल ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया,खेल मैदान तालियों और उत्साहवर्धन के नारों से गूंजता रहा।

ग्रामीण प्रतिभाओं ने दिखाया जज्बा

वनांचल क्षेत्र होने के बावजूद खिलाड़ियों में अद्भुत उत्साह देखने को मिला, कई प्रतिभागियों ने सीमित संसाधनों के बावजूद बेहतरीन प्रदर्शन कर यह साबित किया कि प्रतिभा किसी सुविधा की मोहताज नहीं होती, युवाओं के साथ-साथ किशोर और बाल वर्ग के खिलाड़ियों ने भी आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

खेलों से बढ़ता है स्वास्थ्य और भाईचारा

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है,युवाओं में अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित होती है,आपसी भाईचारा और सामाजिक एकता मजबूत होती है उन्होंने कहा कि'सरगुजा ओलंपिक' जैसे आयोजन ग्रामीण अंचलों में खेल संस्कृति को नई दिशा दे रहे हैं।

61 प्रधान पाठकों को नोटिस,7 अशासकीय संस्था प्रमुखों से मांगा गया जवाब

APAAR आईडी में लापरवाही पर प्रशासन का बड़ा एक्शन

-संवाददाता-

एमसीबी,29 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। छात्र-छात्राओं की APAAR (Automated Permanent Academic Account Registry) आईडी जनरेशन में गंभीर लापरवाही बरतने वाले विद्यालयों पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। शिक्षा विभाग की इस महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत जिले के प्रत्येक विद्यालय के सभी विद्यार्थियों की APAAR आईडी अनिवार्य रूप से जनरेट किए जाने के निर्देश हैं, लेकिन कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने जताई नाराजगी

विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर डी. राहुल वेंकट द्वारा APAAR आईडी जनरेशन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि कई विद्यालयों में यह कार्य अब तक शत-प्रतिशत पूर्ण नहीं हो पाया है, जिस पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी व्यक्त की, इसके पश्चात APAAR ऑनलाइन पोर्टल से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर स्थिति का विश्लेषण किया गया, जिसमें खुलासा हुआ कि जिले की अनेक शालाओं में कुल पंजीकृत विद्यार्थियों में केवल 50 प्रतिशत या उससे कम छात्रों की ही APAAR आईडी जनरेट की गई है।

68 शालाएं चिन्हित, 61 प्रधान पाठकों को नोटिस-

इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा जिले की कुल 68 शालाओं (शासकीय एवं अशासकीय) को चिन्हित किया गया है, इनमें 61 शासकीय विद्यालयों के प्रधान पाठकों,7 अशासकीय शिक्षण संस्थाओं के संस्था प्रमुखों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

संयुक्त रूप से जारी हुआ नोटिस

यह नोटिस मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत एमसीबी, जिला परियोजना संचालक (समग्र शिक्षा) तथा जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया है, सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित तिथि को स्वयं उपस्थित होकर APAAR आईडी जनरेशन कार्य पूर्ण न होने के कारणों का स्पष्ट एवं लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें।

लापरवाही पर होगी कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि APAAR आईडी विद्यार्थियों की शैक्षणिक पहचान, डिजिटल अकादमिक रिकॉर्ड, तथा भविष्य की शैक्षणिक एवं शासकीय योजनाओं से सीधे तौर पर जुड़ी अत्यंत महत्वपूर्ण व्यवस्था है, इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीर प्रशासनिक चूक माना जाएगा, प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया, तो उनके विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने के निर्देश-

जिला प्रशासन ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी विद्यालयों में APAAR आईडी जनरेशन कार्य को युद्धस्तर पर पूर्ण कराया जाए, ताकि एक भी विद्यार्थी इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक व्यवस्था से वंचित न रहे।

अटल स्मृति भवन' बनेगा भाजपा संगठन की नई पहचान

-संवाददाता-

कोरबा,29 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी के नवीन जिला कार्यालय के भूमिपूजन समारोह के अवसर पर मीडिया से संवाद सह भेंटवार्ता कार्यक्रम का आयोजन प्रेस क्लब,तिलक भवन, टी.पी. नगर, कोरबा में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन जी, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, विधायक प्रेमचंद पटेल, कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत रायपुर संभाग के सह प्रभारी डॉ. राजीव सिंह एवं जिला महामंत्री युवा मोर्चा नरेंद्र देवांगन की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा ही संगठन है के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए भारतीय जनता पार्टी कोरबा जिला द्वारा एक भव्य,आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त जिला कार्यालय के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि कोरबा जिले के नवीन भाजपा जिला कार्यालय का नामकरण अटल स्मृति भवन के रूप में किया जाएगा, जो राष्ट्रनायक भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के विचारों और आदर्शों का प्रतीक होगा। श्री मोदी जी ने जानकारी दी कि यह नया जिला कार्यालय लगभग 1 एकड़ 68 डिसमिल भूमि पर निर्मित किया जाएगा, अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त यह कार्यालय दूर-दराज़ से आने वाले कार्यकर्ताओं के लिए संगठनात्मक गतिविधियों, प्रशिक्षण, वैचारिक विमर्श एवं जनसेवा का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने भाजपा के संगठनात्मक इतिहास का उल्लेख करते हुए बताया कि पूर्व में भाजपा जिला कार्यालय का भूमि पूजन 16 जनवरी 1991 को तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष लखीराम अग्रवाल के कर-कमलों से संपन्न हुआ था तथा उसका लोकार्पण 24 मार्च 1993 को श्री कुशाभाऊ ठाकरे द्वारा किया गया था। नया प्रस्तावित कार्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि भाजपा की विचारधारा, संस्कार और राष्ट्र प्रथम की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने वाला वैचारिक केंद्र होगा। मीडिया संवाद कार्यक्रम में पूर्व महापौर जोगेश लांबा,अशोक चावलानी,एमआईसी सदस्य हितानंद अग्रवाल,वरिष्ठ भाजपा नेता विकास अग्रवाल, जिला महामंत्री संजय शर्मा, अजय विश्वकर्मा,जिला कोषाध्यक्ष अजय पांडेय सहित जिले के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व पोर्टल के पत्रकार साथी,भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा-प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बॉलीवुड एक्टर ने रवीना टंडन के हाथ में की उल्टी

आंख बंदकर भागीं एक्ट्रेस किस्सा है बड़ा दिलचस्प...

फिल्मी सितारे अक्सर अजीबोगरीब किस्से शेयर करते हैं। एक बार रवीना टंडन ने शेयर किया था कि बॉलीवुड के एक बड़े एक्टर ने उनके हाथ में उल्टी कर दी थी। इस वाकये ने हर किसी को हैरान कर दिया था। क्या है वह दिलचस्प किस्सा।

क्या हो,अगर एक एक्ट्रेस के हाथ में कोई उल्टी कर दे? यह कांड रवीना टंडन के साथ हो चुका है। एक मशहूर अभिनेता ने एक्ट्रेस के हाथ पर उल्टी कर दी थी। यह देखकर सेट पर हर कोई हैरान रह गया था। खुद रवीना टंडन ने यह किस्सा शेयर किया था और इसके पीछे की वजह भी बताई थी। यही नहीं, उन्होंने उस अभिनेता का भी नाम बताया था जिन्होंने सबके सामने यह हरकत की थी। जब डायरेक्टर ने यह देखा तो उनका गुस्सा हंसी में बदल गया और वह जोर-जोर से हंसने लगे थे।

एक्ट्रेस के हाथ में किसने की थी उल्टी?

एक बार रवीना टंडन जीना इसी का नाम चैट शो में गई थीं। इस चैट शो में उनके साथ बॉलीवुड डायरेक्टर प्रह्लाद कक्कड़ भी थे। एक्ट्रेस ने इस शो में बताया था कि वह एक एक्टर के साथ एड कर रही थीं और उन्होंने उनके हाथ में उल्टी कर दी थी।

रवीना टंडन ने शेयर किया था किस्सा

यह एक्टर कोई और नहीं बल्कि मस्ती के एक्टर आफताब शिवदासानी थे। आफताब, रवीना टंडन के साथ कैडबरी का एड शूट कर रही थीं, जहां एक्टर ने उनके हाथ में उल्टी कर दी थी। जीना इसी का नाम शो में रवीना ने उल्टी वाला किस्सा शेयर करते हुए कहा था, ÷एक मॉडल था। हम कैडबरी का एड शूट कर रहे थे। आफताब मॉडल था, जो अब हीरो बन चुके हैं। वह इक्लेयर की ऐड कर रहा था और आफताब इतने चॉकलेट रीटेक कर चुका था कि उसको उल्टी आ रही थी।

डायरेक्टर के खौफ से रवीना ने किया ये काम

रवीना ने आगे बताया था,अगर सेट खराब हो गया तो ये (प्रह्लाद) हम लोगों को सूली से लटका देंगे क्योंकि सेट एकदम सफेद था। मुझे अभी भी इंसिडेंट याद है...तो जैसे ही आफताब का जी मिचलाने (रवीना ने इशारा किया) लगा, तभी प्रह्लाद चिल्लाने लगे कि उन्हें सेट पर उल्टी मत करने देना, सेट पर एक ड्रॉप नहीं गिरना चाहिए। फट

करके मैंने अपना हाथ आगे किया और आंखें बंद किया,आफताब मेरे हाथ में उल्टी कर रहा है,वो थूक रहा है चॉकलेट और मैं उसे लेकर भाग रही हूं। वहां बैठकर यह (डायरेक्टर) हंस रहे थे। बता दें कि आज आफताब बॉलीवुड के मशहूर एक्टर हैं। वह एक्टर से पहले मॉडलिंग करते थे। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट भी काम किया है।

क्या बॉर्डर 2 को टक्कर दे पाएगी मर्दानी 3

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 रिलीज होने वाली है। फिल्म में वह बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह से लड़ती दिखेंगी। मर्दानी 3 को बॉर्डर 2 से कड़ी टक्कर मिल रही है, जो एक हफ्ते पहले रिलीज हुई थी। मर्दानी 3 की एडवांस बुकिंग उम्मीद के मुताबिक नहीं है।

रानी मुखर्जी स्टारर क्राइम-इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा फिल्म मर्दानी 3 को लेकर काफी चर्चा है। ट्रेलर रिलीज के बाद से काफी सेलेब्स ने रानी की तारीफ की। दूसरा उनके कमबैक को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बॉर्डर 2 के साथ तगड़ा कॉम्पटीशन

वहीं इस फिल्म के लिए सबसे बड़ी चुनौती ये हैं कि फिल्म बॉर्डर 2 के ठीक एक हफ्ते बाद आ रही है। ऐसे में इसे बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ेगी। वहीं मूवी की एडवांस बुकिंग भी खुल गई है लेकिन बहुत अच्छे रिजल्ट नजर नहीं आ रहे। लोगों के दिमाग में इस समय वॉर ड्रामा छाई हुई है ऐसे में मर्दानी 3 को एक कठिन लड़ाई लड़नी पड़ेगी।

कितना हुआ एडवांस कलेक्शन?

अभिराज मिनवाला द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रानी मुखर्जी शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में वापसी करेंगी। इस बार वो बच्चों की तस्करी करने वाले एक गैंगा की पीठ तोड़ने की कोशिश करेंगी जहां उनका सामना अम्मा से होगा। फिल्म में जानकी बोडीवाला और मल्लिका प्रसाद भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की एडवांस बुकिंग की बात करें तो मर्दानी 3 के अब तक 16,450 टिकट बिक चुके हैं और 3330 शो से इसने 48 लाख (ब्लॉक सीट हटाकर) की कमाई की है। सबसे ज्यादा कमाई दिल्ली 10.51 लाख और फिर महाराष्ट्र 9.61 लाख रुपये की हुई है। बॉर्डर 2 से इसे खास कॉम्पटीशन मिल रहा है। फिल्म वीकडे में भी डबल डिजिट में कमाई कर रही है।

मर्द 60 की उम्र में भी रोमांटिक हीरो...

बॉलीवुड में पक्षपात पर बॉर्डर 2 एक्ट्रेस मोना सिंह का तंज!

एक्ट्रेस मोना सिंह ने लाल सिंह चड्ढा समेत कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई है। ऑन-स्क्रीन पर उम्रदराज महिला की भूमिका निभाने पर मोना ने अपना रिएक्शन दिया है। साथ ही बॉलीवुड में हो रहे पक्षपात पर भी दुख जाहिर किया है।

44 साल की मोना सिंह ने लाल सिंह चड्ढा में 16 साल बड़े अभिनेता आमिर खान की मां की भूमिका निभाकर सभी को चौंका दिया था। इतनी कम उम्र में मां की भूमिका निभाने से जहां एक्ट्रेसेस कतराती हैं, वहीं मोना ने यह रिस्क उठाया।

मोना सिंह ने बॉर्डर 2 और मुंज्या जैसी फिल्मों में भी मां की भूमिका निभा चुकी हैं। हाल ही में, एक्ट्रेस ने अपने 40ह्य में उम्र में बड़े एक्टर्स की मां की भूमिका निभाने पर रिएक्शन दिया है। साथ ही इंडस्ट्री में एक्ट्रेसेस और एक्टर्स के बीच के पक्षपात पर भी बात की है।

उम्रदराज महिला का किरदार निभाने पर मोना सिंह

मोना सिंह ने एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि लोग उनसे हमेशा पूछते हैं कि वह स्क्रीन पर बूढ़ी महिला का किरदार क्यों निभा रही हैं। पीटीआई के साथ बातचीत में मोना ने कहा, ÷मैंने कभी भी अपनी ऑन-स्क्रीन एज की परवाह नहीं की क्योंकि मैं बहुत कॉन्फिडेंट हूं और मुझे पता है कि मैं कौन हूं। मुझे कुछ भी साबित नहीं करना है, इसीलिए मैं रिस्क लेती रहती हूं।लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं, आप स्क्रीन पर इतनी बूढ़ी क्यों दिखती हैं? मैं कहती हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह वह किरदार है जो मैं निभा रही हूं और यह मुझे सच में बहुत एक्साइट करता है।÷

बॉलीवुड में भेदभाव पर मोना सिंह की राय

मोना सिंह को बड़े पर्दे पर बूढ़ी महिला का किरदार निभाने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन उन्हें इस बात का दुख होता है कि मर्द 60 की उम्र में भी रोमांटिक लीड रोल्स में हैं, जबकि महिलाएं ऐसा नहीं कर सकती हैं। बकौल एक्ट्रेस, लोग ऐसा सोचते हैं। आप देखो, सिर्फ इसी इंडस्ट्री में महिलाओं की एक एक्सपायरी डेट होती है और यह बहुत दुख की बात है।

जबकि 60 साल के आदमी अभी भी रोमांटिक लीड रोल कर सकते हैं, महिलाएं नहीं कर सकतीं। लेकिन मैंने कभी इस बारे में ज्यादा परवाह नहीं की क्योंकि मैं वैसी बनना ही नहीं चाहती थी।

हाल ही में, मोना सिंह अनुराग सिंह निर्देशित बॉर्डर 2 में सनी देओल की भूमिका में नजर आईं। अब एक्ट्रेस कोहरा सीजन 2 में पुलिस ऑफिसर के दमदार किरदार में दिखाई देंगी।

38 साल में 1000 फिल्में करने का बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

जॉनी लीवर, राजपाल यादव और परेश रावल जैसे कई मशहूर कॉमेडियन अपने मजेदार काम के लिए जाने-जाते हैं। वहीं, भारती सिंह से लेकर कपिल शर्मा आज दर्शकों को ओटीटी और टीवी के जरिए खूब हंसा रहे हैं,

लेकिन आज हम जिस साउथ के सुपरस्टार के बारे में बताने जा रहे हैं। उन्होंने न सिर्फ कॉमेडी में अपनी पहचान बनाई है, बल्कि 1000 से ज्यादा फिल्मों में अपनी एक्टिंग के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी अपना नाम दर्ज कराया है। हम बात कर रहे हैं ब्रह्मानंदम कन्नेगंटी की, जिन्हें ब्रह्मानंदम के नाम से जाना जाता है। वे मुख्य रूप से तेलुगू फिल्मों में काम करते हैं। ब्रह्मानंदम हिंदी, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं।

भारत के इस कॉमेडियन को पद्म श्री से किया सम्मानित

ब्रह्मानंदम भारतीय सिनेमा के सबसे पॉपुलर और पसंदीदा कॉमेडियन में से एक हैं। वह अपने अनोखे ह्यूमर, शानदार एक्टिंग और बेजोड़ टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीतने में कभी कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। वह साउथ की लगभग हर फिल्म में छोटे-बड़े किरदार में नजर आते हैं। इसी वजह से वह सबसे अमीर कॉमेडी एक्टर भी बन गए हैं। इतना ही नहीं भारतीय सिनेमा में ब्रह्मानंदम के योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2009 में पद्म श्री सम्मान से सम्मानित किया गया।

ब्रह्मानंदम के नाम दर्ज है ये रिकॉर्ड

ब्रह्मानंदम का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है क्योंकि उन्होंने एक एक्टर के तौर पर सबसे ज्यादा फिल्मों में काम किया है। उनकी फिल्मों की संख्या 1,000 से ज्यादा है, जो उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि में से एक है। उन्होंने यह रिकॉर्ड सिर्फ 38 सालों में हासिल किया, जो उनकी कड़ी मेहनत और लोकप्रियता का सबूत भी है।

आंखें वाली दूध सी सफेद हसीना, 90दशक में बनी जवां दिलों की धड़कन, एक बीमारी ने किया लाचार, छोड़ना पड़ा सब कुछ, अब जी रही ऐसी जिंदगी

बॉलीवुड की चमक-दमक भरी दुनिया में कई चेहरे ऐसे होते हैं, जो कुछ ही फिल्मों में अपनी गहरी छाप छोड़ जाते हैं और फिर अचानक परदे से गायब हो जाते हैं। 90 के दशक में ऐसी ही एक अदाकारा थीं रागेश्वरी, जिन्हें दर्शक आज भी गोविंदा स्टारर सुपरहिट फिल्म आंखें की प्रिया मोहन के नाम से याद करते हैं। कम फिल्मों के बावजूद रागेश्वरी ने जो लोकप्रियता हासिल की, वह बहुतों के लिए सपना ही रह जाती है। वो उस दौर की पॉप स्टार थी और उनके म्यूजिक वीडियो देखने के लिए लोग बेकरार रहते थे। कई लोग राजेश्वरी के दीवाने थे।

पहली ही फिल्म से स्टारडम

रागेश्वरी ने अपने करियर की शुरुआत 1993 में रिलीज हुई फिल्म आंखें से की थी। यह उनकी पहली ही फिल्म थी और इसी ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। डेविड धवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उन्होंने चंकी पांडे की ऑन-स्क्रीन गर्लफ्रेंड का किरदार निभाया था। उनकी मासूमियत, नैचुरल एक्सप्रेशंस और स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म की जबरदस्त सफलता के साथ ही रागेश्वरी भी चर्चा में आ गई थीं।

जब जिंदगी ने लिया कठिन मोड़

लेकिन साल 2000 की शुरुआत उनके लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं थी। अचानक उनका एक गाल पैरालाइज्ड हो गया और उनकी आवाज भी प्रभावित होने लगी। जांच के बाद पता चला कि उन्हें बेल्स पाल्सी नाम की बीमारी हो गई है। यह बीमारी उनके करियर और आत्मविश्वास दोनों के लिए बड़ा झटका थी। हालांकि रागेश्वरी ने हार मानने के बजाय हालात से लड़ने का फैसला किया। मेडिकेशन के साथ-साथ उन्होंने योग और मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया और धीरे-धीरे खुद को हील किया। यह सफर आसान नहीं था, लेकिन उनकी इच्छाशक्ति ने उन्हें दोबारा खड़ा किया।

खेल समाचार

नहीं रहे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हॉकी स्टार और भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कोच माइकल नॉब्स

माइकल नोब्स की 72 वर्ष की आयु में देहांत

सिडनी,29 जनवरी 2026। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हॉकी स्टार और भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कोच माइकल नॉब्स का गुरुवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 72 साल के थे। नॉब्स को 2011 में भारतीय पुरुष टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया था,यह वह समय था जब 2008 के बीजिंग ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद भारतीय हॉकी बुरे दौर से गुज़र रही थी। उनके मार्गदर्शन में,भारत ने ओलंपिक क्वालीफायर में अच्छा प्रदर्शन किया और 2012 के लंदन गेम्स में जगह बनाई। हालांकि, टीम ओलंपिक में आखिरी स्थान पर रही,जिसके बाद उन्हें यह पद छोड़ना पड़ा।लंदन में निराशाजनक नतीजे के बावजूद,जून 2011 से जुलाई 2013 तक के अपने छोटे से कार्यकाल में, नॉब्स ने एक मुश्किल दौर में भारतीय हॉकी को फिर से बनाने में अहम भूमिका निभाई और फिटनेस स्टैंडर्ड और प्रोफेशनल अनुशासन को बेहतर बनाने के लिए खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम किया। भारत के अलावा,उन्होंने जापानी पुरुष हॉकी टीम के हेड कोच के तौर पर भी काम किया। हॉकी ऑस्ट्रेलिया ने पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ी को दिल से श्रद्धांजलि दी। हॉकी ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, हॉकी ऑस्ट्रेलिया माइकल के परिवार,दोस्तों,पूर्व टीम के साथियों,खिलाड़ियों और उन सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है जिनके जीवन और करियर को हॉकी में उनके योगदान से आकार मिला। उन्हें एक गर्वित कूकाबुरा,एक सम्मानित पेशेवर और खेल के सेवक के रूप में याद किया जाएगा। एक खिलाड़ी के तौर पर, नॉब्स ने डिफेंडर के रूप में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया और अपनी निरंतरता और काम के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते थे। उन्होंने 1979 और 1985 के बीच 76 इंटरनेशनल मैच खेले, एक गोल किया, और ऑस्ट्रेलियाई पुरुष हॉकी के सफल दौर का हिस्सा थे। 72 वर्षीय नॉब्स उन ऑस्ट्रेलियाई टीमों का भी अहम हिस्सा थे जिन्होंने बॉम्बे में 1981 हॉकी विश्व कप और 1984 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया था। नॉब्स के परिवार में उनकी पत्नी ली केप्स, जो ऑस्ट्रेलिया की पूर्व महिला हॉकी खिलाड़ी हैं, और उनकी बेटी केटलिन हैं, जो फिलहाल ऑस्ट्रेलिया की महिला राष्ट्रीय टीम के लिए खेलती हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में पहुँची सबालेंका

मेलबॉर्न,29 जनवरी 2026। आर्यना सबालेंका ने गुरुवार को यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को 6-2 6-3 से हराकर लगातार चौथे ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में जगह बनाई, यह सेमीफाइनल भू-राजनीतिक तनाव से प्रभावित रहा। टॉप सीड बेलारूसी सबालेंका चार साल में मेलबर्न पार्क में तीसरे और कुल पांचवें ग्रैंड स्लैम खिताब के लिए रोड लेवर एरिना में जेसिका पेगुला और एलेना राइबाकिना के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेंगी। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका ने कोर्ट पर कहा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि है,लेकिन काम अभी पूरा नहीं हुआ है। मैं जीत से बहुत खुश हूं। वह बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी हैं और पूरे हफ्ते अविश्वसनीय टेनिस खेल रही हैं। 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से, जिसके लिए बेलारूस एक लॉन्चिंग पैड रहा है,रूसी और बेलारूसी खिलाड़ियों को ग्रैंड स्लैम और टूर इवेंट्स में अपने देशों का प्रतिनिधित्व करने से बैन कर दिया गया है। स्वितोलिना इन देशों के खिलाड़ियों के साथ खेलने के तनाव के बारे में खुलकर बोलती रही हैं, और उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एक मुश्किल सर्दी के बाद वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने देश में रोशनी लाएंगी। हालांकि, 27 वर्षीय सबालेंका ने अपनी जबरदस्त ताकत के प्रदर्शन से उन उम्मीदों को तोड़ दिया। वह पेशेवर युग में लगातार चार बार ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी महिला बन गई, उनसे पहले इवोन गुलागोंग कॉली (1971-76) और मार्टिना हिंगिस (1997-2002) ने ऐसा किया था, जिन्होंने लगातार छह फाइनल खेले थे।

एशियन शूटिंग भारत में खेलने आएंगे बांग्लादेश के खिलाड़ी

टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से मना किया था, मुस्तफिजुर को आईपीएल से बाहर करने पर विवाद...

नई दिल्ली,29 जनवरी 2026। बांग्लादेश सरकार ने अगले महीने होने वाली एशियन राइफल और पिस्टल चैंपियनशिप के लिए अपने निशानेबाजों को भारत जाने की मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब कुछ समय पहले बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अपनी क्रिकेट टीम को टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारत भेजने से इनकार कर दिया था।

इसके बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश को टी20 वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया और उसकी जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल कर लिया।

एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2 से 14

फरवरी के बीच नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खेली जाएगी, जिसमें 17 देशों के 300 से अधिक निशानेबाज हिस्सा लेंगे। बांग्लादेश सरकार का कहना है कि प्रतियोगिता इंडोर होने के कारण इसमें कोई सुरक्षा जोखिम नहीं है।

इनडोर स्पोर्ट्स होने की वजह से जोखिम नहीं

इस मामले में बांग्लादेश के यूथ एंड स्पोर्ट्स सेक्रेटरी महबूब उल आलम ने कहा है कि शूटिंग मुकाबला इनडोर और सीमित दर्शकों के बीच आयोजित होगा और आयोजकों ने सुरक्षा की पूरी गारंटी दी है। इसलिए इसमें कोई जोखिम नहीं है। इसी के आधार पर सरकार ने शूटर्स के भारत दौरे को मंजूरी दी।

मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर करने पर विवाद

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण बीसीसीआई ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल में खेलने की अनुमति नहीं दी। उन्हें केकेआर ने 3 जनवरी को बीसीसीआई के कहने पर टीम से बाहर कर दिया था।

इससे बौखलाई बांग्लादेश सरकार ने अपने यहां आईपीएल मैचों के प्रसारण पर रोक लगा दी। इसके बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देकर 7 फरवरी से होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में वेन्यू बदलने की मांग भी की। आईआईसी ने वेन्यू बदलने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

केकेआर ने मुस्तफिजुर को 9.2 करोड़ में खरीदा था

16 दिसंबर को आईपीएल मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण भारत में मुस्तफिजुर का विरोध होने लगा। अब तक वहां 7 हिंदुओं की हत्या कर दी गई है। बाद में बीसीसीआई ने मुस्तफिजुर को आईपीएल खेलने की अनुमति नहीं दी और 3 जनवरी को केकेआर ने उन्हें रिलीज कर दिया।

दिल्ली सीएम ने टी 20 वर्ल्ड कप विजेता टीम को किया सम्मानित

नई दिल्ली ,29 जनवरी 2026। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में भारतीय ब्लाइंड महिला टी 20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम, उनके कोच और ब्लाइंड एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया और उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि और हिम्मत की तारीफ की। कर्नाटक की दीपिका टी. सी. की कप्तानी और महाराष्ट्र की गंगा एस. कदम की उप-कप्तानी वाली भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। भारत ने 23 नवंबर, 2025 को कोलंबो में हुए फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। नेपाल को 114/5 पर रोकने के बाद, भारतीय बल्लेबाजों ने सिर्फ 12.1 ओवर में आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया, जिससे उन्होंने एक हाई-प्रेशर मैच में अपनी काबिलियत और आत्मविश्वास दिखाया। अपने एक्स हैंडल पर शेयर किए गए बातचीत के एक वीडियो में टीम की तारीफ करते हुए गुप्ता ने कहा, हमारे देश की बेटियां बहुत मजबूत हैं, और मुझे पूरा विश्वास है कि आप जहां भी जाएंगी, लोगों को हैरान कर देंगी। आपने बहुत कुछ हासिल किया है और देश का नाम रोशन किया है, और हमें आप पर सच में गर्व है। आपने जो हासिल किया है, वह ज्यादातर लोग सोच भी नहीं सकते। आप सभी इसी तरह आगे बढ़ते रहें और देश का नाम रोशन करते रहें। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल से परे रोल मॉडल बताया और वीडियो पोस्ट के कैप्शन में लिखा,भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम हम सभी के लिए हिम्मत,आत्मविश्वास और अटूट दृढ़ संकल्प की जीती-जागती प्रेरणा है। यह टीम हमें सिखाती है कि जीत सिर्फ स्कोरबोर्ड पर नहीं होती, बल्कि खुद पर विश्वास बनाए रखने में होती है। सही मायने में, वे ञ्च20 वर्ल्ड कप और ज़िंदगी की पिच के असली चैंपियन हैं। टीम की सफलता ने पहले ही राष्ट्रीय ध्यान खींचा था जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड कप जीतने के बाद चैंपियंस की मेजबानी की थी। खिलाड़ियों ने बातचीत के दौरान अपने अभियान के बारे में जानकारी शेयर की। मीटिंग को याद करते हुए मोदी ने एक्स पर लिखा, ब्लाइंड महिला टी 20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम की मेजबानी करना खुशी की बात थी! उन्होंने अपने अनुभव शेयर किए,जो सच में बहुत प्रेरणादायक थे।

बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड,पाकिस्तान ने धमकी

करांची,29 जनवरी 2026। पिछले हफ़्ते आने वाले मेंस टी 20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर जो संकट था, वह इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल करने के फ़ैसले के साथ खत्म हो गया। बांग्लादेश के समर्थन में, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने यह कहकर धमकी दी कि वह टूर्नामेंट का बहिष्कार कर सकता है। यह मुमकिन नहीं है और इससे गंभीर नतीजे हो सकते हैं, जिससे क्रिकेट में दरार पड़ जाएगी। इस रुख को खेल पर भारत के दबदबे को पाकिस्तान की लगातार चुनौती के तौर पर देखा जा सकता है। जिस तरह से विचार बंटे हुए हैं, उसका एक संकेत यह है कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और इंटरनेशनल कोच जेसन गिलेस्पी ने एक्स पर यह पोस्ट किया...क्या आईसीसी ने कोई सफ़ाई दी है कि बांग्लादेश अपने मैच भारत के बाहर क्यों नहीं खेल सका? जहाँ तक मुझे याद है, भारत ने पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफ़ी के मैच खेलने से मना कर दिया था और उन्हें वे मैच पाकिस्तान के बाहर खेलने की इजाज़त दी गई थी। क्या कोई इसे समझा सकता है? ढेर सारे जवाबों में से कई भारतीय सूत्रों के थे, जो गिलेस्पी के सवाल से खुश नहीं थे। उन्होंने पोस्ट हटा दिया और कहा...एक आसान सा सवाल पूछने पर मुझे गालियाँ मिलीं। ऊपर से यह एक आसान सवाल लग सकता है, लेकिन यह एक जटिल मुद्दे की जड़ तक जाता है। गिलेस्पी के आलोचकों ने इस बात को तुरंत पकड़ लिया कि वह 2024 में छह महीने तक पाकिस्तान की नेशनल मेंस टेस्ट टीम के कोच थे और वह अप्रैल में पाकिस्तान सुपर लीग में नई किंग्समैन हैदराबाद फ़्रेंचाइज़ी के कोच होंगे। इस जुड़ाव को भारत के खिलाफ़ पक्षपात के सबूत के तौर पर देखा गया है। एक और सम्मानित खिलाड़ी, वेस्टइंडीज़ के पूर्व कप्तान जेसन होल्डर ने इस महीने की शुरुआत में एक पॉडकास्ट में कुछ साफ़-साफ़ बातें कहीं। इनमें से एक बात फ़्रेंचाइज़ी लीग में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के चयन से जुड़ी थी।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर 2 नक्सली ढेर...

7 लाख का इनाम था,शव और AK 47 समेत गोला-बारूद बरामद

बीजापुर,29 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर के पास बीजापुर जिले में जवानों और नक्सलियों के बीच सुबह 7 बजे से रुक-रुककर फायरिंग हुई। मुठभेड़ में 2 नक्सली मारे गए हैं। सुरक्षाबलों ने 2 शव और हथियार बरामद किया है। मामला पामेड थाना क्षेत्र का है। मौके से एक AK-47 राइफल, एक 9 एमएम पिस्टल सहित अन्य नक्सली सामग्री भी जब्त की गई है। मारे गए माओवादियों की पहचान प्रदीप उर्फ जोगा (एसीएम, पामेड़ एरिया कमेटी सदस्य) और भीमा वेको (पार्टी सदस्य, पामेड़ एरिया कमेटी) के रूप में की गई।

जोगा पर 5 लाख और वेको पर 2 लाख का इनाम था। जानकारी के मुताबिक बीजापुर जिले के दक्षिणी इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद DRG जवानों को सर्च ऑपरेशन के लिए भेजा गया था। इसी दौरान जंगल में नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। वहीं बीजापुर जिले के लंकापल्ली गांव के पास जंगल में नक्सलियों ने 2 IED लगाए थे। सर्च ऑपरेशन पर निकली सुरक्षाकर्मियों की टीम ने IED को डिफ्यूज कर दिया है। मामला इलमिडी थाना क्षेत्र का है।

बीजापुर में 2 आईईडी डिफ्यूज

बीजापुर जिले के लंकापल्ली गांव में डीआरजी बीजापुर, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 9वीं वाहिनी और बीडीएस की संयुक्त टीम ने सड़क किनारे लगाए गए 2 शक्तिशाली आईईडी बरामद किए गए हैं। दोनों को जवानों ने डिफ्यूज कर दिया है। पुलिस के अनुसार, 29 जनवरी को संयुक्त सुरक्षा बल ईलमिड़ी-लंकापल्ली क्षेत्र में सर्चिंग अभियान पर निकले थे। इसी दौरान लंकापल्ली की कच्ची सड़क पर डिमाइनिंग के दौरान नक्सलियों के लगाए गए 20 से 30 किलोग्राम वजन के दो आईईडी का पता चला।

पूर्व सरपंच की हत्या में शामिल थे नक्सली

बीजापुर पुलिस के मुताबिक बीजापुर, सुकमा और तेलंगाना के सीमावर्ती इलाकों में नक्सलियों की बटालियन सक्रिय है। विशेष रूप से पामेड़ थाना क्षेत्र में नक्सलियों की सक्रियता ज्यादा देखी जा रही है। पामेड़ इलाके के नक्सलियों से मुठभेड़ हुई। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि मुठभेड़ में मारे गए दोनों माओवादी कैडर पामेड़ एरिया कमेटी क्षेत्र में कई हिंसक घटनाओं में शामिल थे। जिनमें हाल ही में कावरगट्टा ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच भीमा मड़कम की हत्या की घटना भी शामिल है।

बड़ी गाड़ियों को उड़ाने का था मकसद

नक्सलियों ने इन आईईडी को कमांड स्विच सिस्टम के जरिए सड़क के बीचों-बीच लगाया था, जिसका मकसद बड़ी गाड़ियों को निशाना बनाना था। सूचना मिलते ही बीडीएस टीम बीजापुर को मौके पर बुलाया गया।

आईपीएस अफसर को कांग्रेस का मिला साथ,दीपक बैज ने बताया संवेदनशील मुद्दा

रायपुर,29 जनवरी 2026। कवर्धा के पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र छवई द्वारा राज्य सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाए जाने के बाद प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इस मुद्दे पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कवर्धा एसपी का बयान सरकार के लिए गंभीरता से सोचने का विषय है। दीपक बैज ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार प्रमोशन और स्थानांतरण की प्रक्रिया में एससी-एसटी और विशेष वर्ग के अधिकारियों के साथ भेदभाव कर रही है।

उन्होंने कहा कि इस तरह की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, जो सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े करती हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कवर्धा के पुलिस अधीक्षक ने एक सही और संवेदनशील मुद्दा उठाया है।

दरअसल छत्तीसगढ़ पुलिस महकमे में पदोन्नति को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 2012 बैच के कवर्धा पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह छवई ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अपने साथ हुए कथित अन्याय, भेदभाव और संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन की पीड़ा व्यक्त की है। पत्र में अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि नियमों के बावजूद उन्हें जानबूझकर पदोन्नति से वंचित किया गया।धर्मेंद्र सिंह छवई वर्तमान में कवर्धा पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं और पुलिस मुख्यालय द्वारा समय-समय पर जारी की गई पदोन्नति सूचियों (10 अक्टूबर 2024, 31 दिसंबर 2024, 26 मई 2025 और 31 जुलाई 2025) में उनके नाम पर विचार किया गया, लेकिन उन्हें पदोन्नत नहीं किया गया।

इसका कारण बताया गया कि उनके विरुद्ध लोकायुक्त संगठन, भोपाल में जांच लंबित है। अधिकारी ने अपने दर्द को शब्दों में बयां करते हुए लिखा है कि जिन अधिकारियों पर उनसे कहीं अधिक गंभीर आरोप हैं, जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज हैं और जिन मामलों में न्यायालय से अंतिम रिपोर्ट तक नहीं आई है, उन्हें पदोन्नति का लाभ दे दिया गया। जबकि उनके मामले में न तो चार्जशीट जारी हुई है और न ही कोई विभागीय कार्यवाही लंबित है।

कोर्ट कर्मचारी रेगुलर स्टूडेंट की तरह नहीं कर सकेंगे पढ़ाई,कर्मचारी को दी गई अनुमति निरस्त

हाईकोर्ट बोला...इससे कामकाज और प्रशासनिक अनुशासन पर पड़ेगा असर

बिलासपुर,29 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा है कि, अदालतों में कार्यरत कोई भी कर्मचारी सेवा में रहते हुए नियमित छात्र की तरह शैक्षणिक डिग्री हासिल नहीं कर सकता। नियमित छात्र के तौर पर पढ़ाई करने से कार्यालय के कामकाज और प्रशासनिक अनुशासन पर सीधा असर पड़ता है। डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के आदेश को रद्द कर दिया है। बता दें कि सिंगल बेंच ने एक कर्मचारी को नियमित छात्र के तौर पर एलएलबी फाइनल ईयर की पढ़ाई करने की अनुमति दे दी थी।

क्या है पूरा मामला : रायपुर जिला कोर्ट में असिस्टेंट ग्रेड-3 के पद पर कार्यरत अजीत चौबेलाल गोहर ने अपनी परिवीक्षा अवधि के दौरान एलएलबी की पढ़ाई शुरू की थी। उसे प्रथम और द्वितीय वर्ष की अनुमति दी गई थी। लेकिन, सत्र 2025-26) में विभाग ने तीसरे वर्ष की पढ़ाई करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। विभाग का कहना था कि नए नियमों के तहत नियमित छात्र के तौर पर पढ़ाई की अनुमति नहीं दी जा सकती।

विभाग के अनुमति नहीं देने पर लगाई थी याचिका : कर्मचारी ने विभाग से अनुमति नहीं देने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिस पर सिंगल बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि चूंकि उसने दो साल की पढ़ाई पूरी कर ली है, इसलिए तीसरे वर्ष की अनुमति मिलनी चाहिए। जिसके बाद हाईकोर्ट प्रशासन ने रजिस्ट्रार जनरल के माध्यम से इस फैसले के खिलाफ डिवीजन बेंच में अपील की थी। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने नए नियमों का हवाला देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ जिला न्यायपालिका स्थापना नियम 2023 के नियम 11 के तहत कोई भी कर्मचारी नियमित उम्मीदवार के रूप में परीक्षा में शामिल नहीं हो सकता।

भविष्य की जरूरत के अनुरूप हो विद्युत सुविधाओं का विस्तार : सीएम विष्णु देव साय

रायपुर,29 जनवरी 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ऊर्जा विभाग के कार्यों की उच्च स्तरीय समीक्षा की। बैठक में उन्होंने राज्य में विद्युत उत्पादन, ट्रांसमिशन, वितरण तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली आमजन की मूलभूत आवश्यकता है और इसकी निर्बाध आपूर्ति सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी विद्युत उत्पादक राज्यों में शामिल है और भविष्य की बढ़ती मांग को देखते हुए ऊर्जा अवसंरचना का समयबद्ध विस्तार किया जाना आवश्यक है। उन्होंने ऑफ-ग्रिड विद्युतीकृत गांवों को शीघ्र ग्रिड से जोड़ने तथा विद्युत अधोसंरचनाओं के सुदृढ़ीकरण कार्यों को तय समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। साय ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को विद्युत

आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए इसके प्रति उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने सोलर पैनल स्थापना एवं रखरखाव की प्रक्रिया को सरल बनाने, इंस्टालेशन की दैनिक संख्या बढ़ाने और सभी शासकीय भवनों में सोलर पैनल लगाने के निर्देश दिए। साथ ही पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एवं स्मार्ट मीटर से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। मुख्यमंत्री ने लंबित बिजली बिलों की समीक्षा करते हुए उपभोक्ताओं को भुगतान के लिए अवसर और सुविधा देने विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बस्तर के दूरस्थ अंचलों में ग्रिड आधारित विद्युतीकरण को गति देने, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ाने तथा पीक डिमांड के अनुरूप ट्रांसमिशन क्षमता विस्तार पर भी जोर दिया।

बैठक में बताया गया कि पिछले दो वर्षों में ट्रांसफार्मर क्षमता 24,227 एमवीए से बढ़कर 27,820 एमवीए हो गई है तथा 400/220 केवी, 220/132 केवी और 132/33 केवी उपकेंद्रों के उन्नयन सहित कई परियोजनाएं प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री ने सौर सुजला योजना, कुसुम योजना, नियद नेल्ला नार एवं ग्राम विद्युतीकरण से जुड़ी योजनाओं की भी समीक्षा की। ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव ने पीपीटी के माध्यम से विद्युत उत्पादन, ट्रांसमिशन, वितरण, पीएम सूर्यघर, पीएम जनमन, कृषि पंपों के ऊर्जीकरण, मजराटोला विद्युतीकरण एवं नवीकरणीय ऊर्जा से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने आगामी वर्षों में नए उपकेंद्रों की स्थापना, वितरण ट्रांसफार्मरों की संख्या बढ़ाने और अंडरग्राउंड केबल सहित विभिन्न विकास कार्यों की कार्ययोजना प्रस्तुत की। बैठक में मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, सीएसपीडीसीएल, सीएसपीजीसीएल, सीएसपीटीसीएल के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

रेलवे पटरी चोरी,2 करोड़ कीमत बताया जा रहा

कोरबा,29 जनवरी 2026। जिले में ब्रिज का 30 टन लोहा चुराने के बाद अब चोर रेलवे पटरी का लोहा काटकर ले गए है। चोरों ने पिछले कुछ दिनों में 2 करोड़ के रेलवे सामान की चोरी की है। इनमें पटरी समेत लोहे की प्लेट और हैवी मशीनरी शामिल है। मामला बांकी मोंगरा और कटघोरा थाना क्षेत्र का है। एक प्राइवेट कंपनी उरगा से पेंड्रा तक 140 किलोमीटर में पटरी बिछाने का काम कर रही है। इसी बीच कुसमुंडा से कुचेना जटगा 60-65 किलोमीटर के रेंज में करोड़ों के सामान गायब मिले। चोरी की वारदात अलग-अलग दिनों में हुई है। शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। बता दें कि जिले में 17 जनवरी को ब्रिज की चोरी हुई थी, जिसके 10 आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस के मुताबिक, गेवरा-पेंड्रा नई रेल लाइन परियोजना से करीब दो करोड़ रुपये की रेल सामग्री चोरी हुई है। यह रेल लाइन शिवाकृति प्राइवेट कंपनी द्वारा बिछाई जा रही है। कंपनी प्रबंधन ने बांकी मोंगरा और कटघोरा थानों में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ई-ऑफिस में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को मुख्य सचिव ने किया सम्मानित

बिलासपुर, 29 जनवरी 2026। मुख्य सचिव विकासशील ने यहां मंत्रालय महानदी भवन में ई-ऑफिस में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्य सचिव ने मंत्रालय सहित राज्य शासन के सभी कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनिवार्य रूप से निर्धारित समय में बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए है। उन्होंने ऐसा नहीं करने वालों को सचेत करते हुए कार्यालय में निर्धारित समय पर बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने कहा है। मुख्य सचिव ने कहा कि बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज नही करना स्वीकार नही होगा। मुख्य सचिव ने राज्य शासन के सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस से ही फाईल संचालन करने कहा है। मुख्य सचिव ने कहा है कि सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा है कि राज्य शासन के सभी अधिकारी-कर्मचारी ई-ऑफिस में ऑनबोर्ड हो जायें। मुख्य सचिव ने कहा कि आगामी वर्ष से अधिकारियों-कर्मचारियों के अवकाश आवेदन ई-ऑफिस प्रणाली से ही स्वीकार किए जायेंगे।

उन्होंने कहा कि अचल सम्पत्ति का विवरण और एसीआर भी प्रतिवर्ष ई-ऑफिस से ही दर्ज किया जाएगा। मुख्य सचिव ने अधिकारी-कर्मचारियों से कहा है कि टीम भावना से कार्य करें और पूरे देश में छत्तीसगढ़ प्रदेश का नाम उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रदेश के रूप में दर्ज करायें।

मुख्य सचिव ने सामान्य प्रशासन विभाग एवं राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के अधिकारियों को विभागवार ई-ऑफिस का डेटा तैयार करने के निर्देश दिए। विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को उनके कार्यों की स्थिति की जानकारी एसएमएस द्वारा दी जायें। मुख्य सचिव ने सभी से ई-ऑफिस में दक्षता से कार्य करने की अपेक्षा की है। उन्होंने आवश्यक निर्देश दिए कि अधिकारी-कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली का प्रशिक्षण देने कहा है। मंत्रालय में आयोजित ई-ऑफिस सम्मान समारोह में जिन अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया है उनमें ई-ऑफिस से फाईल वर्क करने के लिए वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की संयुक्त सचिव जयश्री जैन, आदिवासी विकास विभाग के संयुक्त सचिव भूपेन्द्र कुमार राजपुत और वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के संयुक्त सचिव प्रणय मिश्रा को प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया है। उप सचिव श्रेणी में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के उप सचिव दुरदेशी राम संतापर, सीएम सचिवालय के उप सचिव तीरथ प्रसाद लाड़िया और सामान्य प्रशासन विभाग-1 के उप सचिव किशोर कुमार भूआर्य को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

शहीद दिवस : आज छत्तीसगढ़ में 2 मिनट का मौन,सायरन बजाकर दिया जाएगा संकेत

रायपुर, 29 जनवरी 2026। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राण न्योछावर करने वाले अमर शहीदों की स्मृति में 30 जनवरी को शहीद दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन और गृह विभाग ने आदेश जारी कर प्रदेशवासियों से दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि देने की अपील की है।

11 बजे थमेगा हर काम

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार, पूरे देश में एक साथ सुबह 11 बजे से 11:02 बजे तक दो मिनट का मौन रखा जाएगा। इस दौरान सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों, शिक्षण संस्थानों और अन्य कार्यस्थलों पर कामकाज रोक दिया जाएगा।

सायरन से मिलेगा मौन का संकेत : मौन की शुरुआत और समाप्ति के लिए सायरन बजाए जाएंगे।

- **पहला सायरन:** सुबह 10:59 से 11:00 बजे तक, मौन शुरू होने का संकेत
- **मौन अवधि:** सुबह 11:00 से 11:02 बजे तक
- **दूसरा सायरन:** सुबह 11:02 से 11:03 बजे तक

जनता से विशेष अपील

राज्य सरकार ने नागरिकों से आग्रह किया है कि सायरन बजते ही जहां भी हों घर, कार्यालय या सड़क पर वहीं रुककर दो मिनट का मौन धारण करें। इसका उद्देश्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को स्मरण करना और नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना है।

आम आदमी पार्टी ने रायपुर एनएच 30 में किया चक्काजाम,धान खरीदी की तारीख आगे बढ़ाने की मांग,कहा...किसान आत्महत्या के लिए हो रहे मजबूर

रायपुर,29 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी को लेकर आम आदमी पार्टी ने प्रदेशभर में चक्काजाम किया। आम आदमी पार्टीधान खरीदी की तारीख 28 फरवरी तक बढ़ाने की मांग कर रही है। किसानों की समस्या को लेकर रायपुर जिले के अभनपुर नेशनल हाईवे-30 के पास पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए चक्का जाम किया। उन्होंने सरकार पर किसानों की अनदेखी और धान खरीदी में साजिश का आरोप लगाया है। प्रदेश प्रवक्ता सूरज उपाध्याय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का किसान आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। सरकार ने घोषणा की थी कि धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू होगी,लेकिन कई जगहों पर खरीदी 17, 18 और कहीं 25 नवंबर से शुरू हुई। अब सरकार 31 जनवरी की बजाय 29 जनवरी को ही धान खरीदी बंद कर रही है, जो किसानों के साथ सीधा धोखा है। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार ने साजिश के तहत लाखों छोटे किसानों से जबरन रकबा समर्पण कराया। कई किसानों को अब तक न ऑनलाइन और न ही ऑफलाइन टोकन मिला। छोटे किसानों को 1, मीडियम को 2 और बड़े किसानों को 3 टोकन दिए गए,इसके बावजूद किसान आज भी अपनी पूरी धान नहीं बेच पा रहे हैं। खरीदी केंद्रों की दैनिक लिमिट कम कर दी गई, जिससे किसान लाइन में खड़े होकर परेशान होते रहे।

'कांग्रेस ने गरीबों का हक रोका,हमने उनको दिलाया उनका हक', ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने बताई दो साल की उपलब्धि...

रायपुर,29 जनवरी 2026। 'मोर आवास, मोर अधिकार, रोक कर रखे हैं फलनवा सरकार' सिर्फ नारा नहीं था, बल्कि वह जन-जन का आंदोलन था, जो आज परिणाम में बदल चुका है। उप मुख्यमंत्री और ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर हमला करने के साथ अपने विभाग की उपलब्धि बताते हुए कहा कि जो संघर्ष कभी 18 लाख आवास के लिए शुरू हुआ था, वह अब जमीन पर उतरता नजर रहा है। डिप्टी सीएम और ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने नवा रायपुर के संवाद ऑडिटोरियम में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा ने इस मुद्दे को बड़े अभियान के रूप में उठाया था। उस वक्त यह संघर्ष का आंदोलन था, लेकिन आज वही

आंदोलन परिणाम का आंदोलन बन गया है। उन्होंने कहा कि राजनीति में इससे बड़ा संतोष का क्षण कोई नहीं होता, जब किसी जनमुद्दे को उठाकर उसे उसके अंजाम तक पहुंचाने का अवसर मिले। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षों तक प्रदेश में लाखों आवास गरीबों को नहीं मिल सके। उन्होंने बताया कि 2011 की प्रतीक्षा सूची के 6,99,438 आवास, आवास प्लस सूची के 8,19,999 आवास और मुख्यमंत्री आवास योजना के 47,090 आवास स्वीकृत ही नहीं किए गए।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से

15 बैठकें होंगी,20 मार्च तक चलेगी कार्यवाही,मंत्रियों को घेरेंगे कांग्रेस विधायक

रायपुर,29 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी 2026 से शुरू होगा। सत्र 20 मार्च 2026 तक चलेगा। इस दौरान कुल 15 बैठकें होंगी। इसके लिए विधानसभा सचिवालय ने अधिसूचना जारी कर दी है। बजट सत्र में कांग्रेस विधायक विभिन्न मुद्दों पर सवाल पूछकर सरकार के मंत्रियों को घेरेंगे। विपक्ष सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है।

राज्यपाल पहले दिन करेंगे संबोधित

बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल रमेन डेका विधानसभा को संबोधित करेंगे। राज्यपाल के अभिभाषण के साथ ही बजट सत्र की औपचारिक शुरुआत मानी जाएगी। अभिभाषण के दौरान राज्यपाल सरकार की उपलब्धियों, नीतियों और आने वाले समय की प्राथमिकताओं को सदन के सामने रखेंगे।

योजनाओं-जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी : बजट सत्र में राज्य सरकार वित्तीय वर्ष के लिए आय-व्यय का पूरा ब्यौरा

पेश करेगी। बजट पेश होने के बाद सदन में विभिन्न विभागों के खर्च, विकास योजनाओं और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके साथ ही शिक्षा,स्वास्थ्य,रोजगार,कृषि, सड़क, बिजली-पानी जैसे विषयों पर भी सदन में बहस होने की संभावना है। इस सत्र में नए विधेयक भी पेश किए जा सकते हैं। साथ ही जरूरत पड़ने पर अनुपूरक बजट पर भी विचार किया जा सकता है। माना जा रहा है कि बजट सत्र के दौरान कई अहम मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिलेगी। बजट सत्र को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। विपक्ष एक ओर सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है, वहीं सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियों और आगामी योजनाओं को मजबूती से सदन में रखने की तैयारी में है। कुल मिलाकर बजट सत्र के दौरान राज्य की आर्थिक दिशा और विकास प्राथमिकताओं को लेकर सदन में अहम फैसले और चर्चा होने वाली है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)